सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 320 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 02 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

12 घंटे से बाढ़ में फंसे ग्रामीण का रेस्क्यू: ड्रोन से लोकेशन ट्रेस कर एयरफोर्स-पुलिस ने चलाया जॉइंट ऑपरेशन

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के के शबरी नदी में 12 घंटे से अधिक समय से फंसे एक व्यक्ति को सुरक्षित निकाल लिया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन जिला प्रशासन, पुलिस, सीआरपीएफऔर भारतीय वायुसेना ने मिलकर चलाया। नाड़ीगुफा तेलावर्ती के पास बाढ़ में व्यक्ति फंस गया था। तेज धारा और बड़े पत्थरों के कारण मोटरबोट से बचाव संभव नहीं था। प्रशासन और पुलिस ने तुरंत कोशिश शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली। स्थिति गंभीर हुई तो वायुसेना को मदद के लिए बुलाया गया। ड्रोन से लोकेशन ट्रेस किया गया। करीब 12 घंटे की मशक्कत के बाद व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

इस बीच मौसम विभाग ने आज कांकेर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद और नारायणपुर में भारी बारिश का यलो अलर्ट है। इसके अलावा अन्य जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिर सकती है। आंधी चल सकती है। बंगाल की खाड़ी के नॉर्थ पार्ट में लो प्रेशर एरिया बन रहा है। इसके असर के चलते प्रदेश में अगले 2 दिनों तक तेज बारिश हो सकती है।

डोंगरगढ़ में उफनते नाले में बहा युवक

छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सोमवार सुबह बालोद में महज दो घंटे की बारिश ने हालात बिगाड़ दिए। कई इलाकों में जलभराव हो गया, वहीं बस स्टैंड में एक फीट से ज्यादा पानी जमा होने से यात्रियों को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ीं। बारिश का असर डोंगरगढ़ में और भी खतरनाक साबित हुआ। यहां उफनते नाले में बहने से एक युवक की मौत हो गई। खैरागढ़ से लौट रहे मिथिलेश वर्मा की जिंदगी अचानक बारिश और डंगोरा डैम से छोड़े गए पानी के कारण खत्म हो गई।

रायपुर में हिंदू संगठन बोले- छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं, मूर्तियों का तुरंत विसर्जन करें

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर में गणेश प्रतिमाओं के स्वरूप में बदलाव को लेकर सर्व हिंदू समाज ने नाराजगी जताई है। इसके विरोध में सोमवार को एसएसपी कार्यालय में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई। सर्व हिंदू समाज नीलकंठ महाराज और विश्वदिनी पांडेय ने कहा कि, रायपुर में कुछ जगहों पर गणपति प्रतिमाओं को पारंपरिक स्वरूप से हटकर कार्टून या क्यूट अंदाज में प्रस्तुत किया गया है। भगवान के इस रूप को देखकर बच्चों और युवाओं में खराब छवि बन रही है। ऐसे आयोजनों से धार्मिक आयोजन की पवित्रता प्रभावित हो रही है।संगठन ने कहा कि, जिन पंडालों में स्वरूप में बदलाव वाली प्रतिमाएं स्थापित हैं, उनका तुरंत विसर्जन कराया जाए। समितियों पर दंडात्मक कार्रवाई हो। अगर प्रशासन जल्द कदम नहीं उठाएगा तो समाज उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगा। संगठन का कहना है कि शास्त्रों के अनुसार, सभी देवी-देवताओं के रूप पहले से निर्धारित हैं, जिनमें मनमाने बदलाव की अनुमति नहीं है।

बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंचे सीएम साय,अधिकारियों को राहत एवं पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई और जमीनी सर्वेक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को बस्तर संभाग के बाढ़ प्रभावित जिलों दंतेवाड़ा और बस्तर का हवाई सर्वेक्षण एवं जमीनी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और राहत एवं पुनर्वास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित प्रत्येक परिवार तक समय पर सहायता पहुँचना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी स्तरों पर संवेदनशीलता और तत्परता आवश्यक है।

मुख्यमंत्री साय दंतेवाड़ा के चूड़ीटिकरा वार्ड में बनाए गए अस्थायी राहत शिविर पहुँचे, जहाँ उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने प्रशासन को निर्देशित किया कि

शिविरों में पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पेयजल और सुरक्षित आवास की व्यवस्था निरंतर बनी रहे।

मुख्यमंत्री साय ने यहां लगाए गए स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने मेडिकल टीम से दवाइयों की उपलब्धता, डॉक्टरों की तैनाती और मरीजों को दी जा रही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद करते हुए यह भी पूछा कि क्या वे प्रशासन की मदद से संतुष्ट हैं। यहां के प्रभावितों ने जिला प्रशासन के त्वरित सहयोग पर संतोष व्यक्त किया।

क्षतिग्रस्त पुल का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए पुल का भी निरीक्षण किया और क्षेत्र की यातायात व्यवस्था तथा पुनर्निर्माण कार्यों की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित गाँवों में सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की शीघ्र बहाली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रशासनिक तत्परता से कठिनाइयों का समाधान संभव

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं कठिनाई अवश्य लाती हैं, परंतु प्रशासनिक तत्परता और जनसहयोग से इन कठिनाइयों का समाधान संभव है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राहत शिविरों और प्रभावित गाँवों में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की विशेष देखभाल की जाए तथा स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी आवश्यक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री साय के साथ वन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद महेश कश्यप, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, राजस्व सचिव और आपदा राहत आयुक्त रीना बाबा साहेब कंगाले, संभागायुक्त डोमन सिंह सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

विभागीय अफसरों की ली बैठक

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने दंतेवाड़ा कलेक्टोरेट में जिला प्रशासन और विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति, पुनर्वास योजनाओं और प्रभावित परिवारों को दी जा रही तत्कालिक सहायता की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित गाँवों में प्रशासनिक टीमों की निरंतर पहुँच बनी रहे और हर जरूरतमंद तक राहत सामग्री समय पर पहुंचे।

रेत, गिट्टी एवं मुरम के अवैध परिवहन पर खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई, रायपुर में 13 हाईवा जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देशन में खनिज विभाग द्वारा अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के अंतर्गत 13 हाईवा वाहनों को जब्त कर संबंधित थाना क्षेत्रों में रखा गया है।

उपसंचालक खनिज प्राची अवस्थी के मार्गदर्शन में खनिज विभाग की टीम ने 31 अगस्त और 1 सितम्बर की दरम्यानी रात आरंग, नयापारा, माना एवं विधानसभा क्षेत्र में नाकेबंदी कर जांच-पड़ताल की। इस दौरान रेत से भरे 8 हाईवा, मुरम से लदे 2 हाईवा तथा गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए 3 हाईवा जब्त किए गए। अवैध परिवहन बैन होने के बाद भी किया जा रहा था। इन वाहनों को मंदिर हसौद, विधानसभा एवं खरोरा थाना क्षेत्रों की सुपुर्दगी में रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा 15 जून से 15 अक्टूबर तक नदी से रेत उत्खनन पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है। इसके बावजूद अवैध रूप से रेत का परिवहन गरियाबंद, धमतरी, मोमेला एवं महासमुंद क्षेत्रों से अन्य स्थानों हेतु किया जा रहा था। खनिज सुपरवाइजर श्री सुनील दत्त शर्मा के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में जितेंद्र केसरवानी, लोकेश वर्मा एवं श्री जितेंद्र वर्मा का विशेष सहयोग रहा। जब्त वाहनों पर खनिज अधिनियम के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

नक्सलियों ने की दो ग्रामीणों की गला रेतकर हत्या

- सुकमा में बीती रात की घटना, मुखबिरी के शक में वारदात को अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों की कायराना करतूत सामने आई है। नक्सलियों ने बीती रात दो ग्रामीणों की गला रेतकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि दोनों ग्रामीणों की हत्या मुखबिरी के शक में की गई। दो ग्रामीणों की हत्या के साथ ही दो अन्य ग्रामीणों को बुरी तरह से पीटा भी गया। घटना जिले के सिरसट्टी पंचायत के नंदा पारा की है। इस वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीण सहमे हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार केरलापाल थाना इलाके के सिरसट्टी पंचायत के नंदा पारा में बीती रात नक्सलियों जमकर उत्पात मचाया। यहां रहने वाले दो ग्रामीणों की बेरहमी से हत्या कर दी। नक्सलियों ने स्थानीय निवासी पदाम पोज्जा और पदाम देवेंद्र पर मुखबिरी का आरोप लगाते हुए इनकी हत्या की। नक्सलियों ने अन्य दो ग्रामीणों को भी बुरी तरह पीटा। दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है और उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

वारदात के बाद घटनास्थल पर भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीण रातभर अपने घरों से बाहर नहीं निकल सके। बताया जा रहा है कि नक्सलियों को लंबे समय से इन दोनों पर पुलिस को सहयोग करने का शक था। इसी शक के चलते उन्हें सबक सिखाने के नाम पर इस नृशंस घटना को अंजाम दिया गया। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि, ग्रामीणों से इसकी सूचना मिली है। जांच के लिए घटना स्थल पर टीम भेजी गई है। बॉडी रिकवर करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फ्लिहाल मामले की जांच जारी है।

हाल ही में हुई तीन शिक्षादूतों की हत्या

हाल ही में नक्सलियों ने तीन शिक्षादूतों की भी हत्या की है। 28 अगस्त को बीजापुर में नक्सलियों ने सुरेश कोरसा की हत्या की। सुरेश् मनकेली पटेलपारा में रहता था। गुरुवार देर रात नक्सलियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर सुरेश कोरसा अगवा कर हत्या कर दी। बीजापुर में ही कुछ दिन पहले 2 शिक्षादूतों की हत्या की थी। इस साल नक्सलियों ने अब तक 9 शिक्षादूतों की हत्या की है। इनमें से 5 बीजापुर जिले में और 4 सुकमा जिले में मारे गए हैं।

बिहार में ग्रामीण महिला उद्यमियों को पीएम मोदी की बड़ी सौगात

- बिहार राज्य जीविका निधि क्रेडिट को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड का उद्घाटन, बैंक खातों में 105 करोड़ ट्रांसफर

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को बिहार की ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए एक अहम योजना की शुरुआत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार राज्य जीविका निधि क्रेडिट को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड का उद्घाटन किया और 105 करोड़ रुपए की राशि का जीविका निधि में ट्रांसफर किया। इससे पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से जानकारी साझा करते हुए कहा कि बिहार की माताओं, बहनों और बेटियों को अवसरों की कमी न हो, इसके लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सस्ती ब्याज दरों पर आसानी से ऋण उपलब्ध करना लक्ष्य

जीविका निधि का उद्देश्य सामुदायिक सदस्यों को सस्ती ब्याज दरों पर आसानी से ऋण उपलब्ध कराना है। इस संस्था में जीविका से जुड़े सभी क्लस्टर स्तरीय फेडरेशन सदस्य बनेंगे। इसके संचालन के लिए केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही योगदान देंगी। इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे। इस दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, मंगलवार प्रधानमंत्री मोदी जीविका निधि का शुभारंभ कर रहे हैं। इस कार्य से स्वयं सहायता समूह की जीविका दीदीयों को ऋण राशि प्राप्त करने में सुविधा होगी। राज्य सरकार ने इस कार्य के लिए 1 हजार करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं।

गौ-माता की जय बोलकर युवक ने उंगली काटी बोला-गाय को 'राज्य माता' घोषित करे सरकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में एक युवक ने चापड़ से खुद के हाथ की उंगली काट ली। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। युवक ऐसा करने से पहले बार-बार गौ माता की जय का नारा लगाता है। कहता है कि गौ-माता को इंसाफ नहीं मिल रहा, अब हमें बलिदान देना पड़ेगा।

चापड़ से अपनी उंगली काटने के बाद कहता है कि सरकार नहीं सुधरेगी और हमारी मां (गाय) की हत्या होती रहेगी। वीडियो डीडी नगर थाना क्षेत्र के सुंदर नगर इलाके का बताया जा रहा है। युवक की पहचान आदेश सोनी के रूप में हुई है। युवक ने कहा कि सरकार गौ माता को राज्य माता घोषित करे।

आखिर ऐसा क्या है शिक्षक पात्रता परीक्षा में

श्रीकंचनपथ

एक जमाना था जब ग्रेजुएट को उच्च शिक्षित माना जाता था। फिर पोस्ट ग्रेजुएट लोगों की भीड़ बढ़ी। अब तो पीएचडी भी एक ढूंढो दस मिल जाते हैं। पर नौकरी की कोई गारंटी नहीं। लोग डिग्री पर डिग्री लिये जा रहे हैं। कुछ समय पहले तक एमबीए करने वालों की अच्छी खासी पूछपरख थी, अब वह भी कमजोर पढ़ने लगी है। एक तरफजहां डिग्री धारकों की संख्या बढ़ रही है वहीं शिक्षित बेरोजगारों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। एक सम्मान जनक नौकरी के लिए खूब पढ़े लिखे लोग सरकारी चपरासी से भी कम वेतन में व्याख्याता की नौकरी कर रहे हैं। अब इसमें एक नया फच्चर और आ फंसा है। शिक्षक पात्रता परीक्षा अर्थात टीचर एलीजीबिलिटी टेस्ट (टेट) का। इस परीक्षा का आयोजन राज्य और केन्द्र दोनों करवाते हैं। प्राथमिक कक्षाओं के लिए पेपर क्ष वन और पूर्व माध्यमिक के लिए पेपर क्ष टू पास करना होता है। अब सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के इस नोटिफिकेशन को सही ठहराया है। थोड़ा इतिहास में जाएं तो यह मामला 15 साल पहले ही उठ चुका था पर इसे लेकर कभी कोई सख्ती नहीं की गई। बीएड डिग्री धारक इत्मीनान से निजी और सरकारी, दोनों क्षेत्रों में इन कक्षाओं को पढ़ाते रहे। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने 23 अगस्त 2010 को स्कूलों में अध्यापन के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा को अनिवार्य कर दिया था। इसके बाद कुछ राज्यों में शिक्षक संगठनों ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। मद्रास हाइकोर्ट ने जून 2025 में फैसला दिया कि जिन शिक्षकों की नियुक्ति 29 जुलाई 2011 से पहले हुई थी, उन्हें सेवा में बने रहने के लिए पात्रता परीक्षा पास करने की बाध्यता नहीं है, लेकिन पदोन्नति के लिए इस परीक्षा को पास करना अनिवार्य रहेगा। अब सुप्रीम कोर्ट ने इसपर अपनी मुहर लगाते हुए इसे विस्तार दे दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सर्विस में बने रहने और प्रमोशन दोनों के लिए पात्रता परीक्षा का लिफाई करना अनिवार्य जरूरी होगा। हालांकि माइनॉरिटी इंस्टीट्यूशंस के लिए फैसला सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंच करेगी। अब सरकारी स्कूलों के शिक्षक या तो ये परीक्षा पास करें या फिर इस्तीफा दे दें। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर ऐसा क्या है इस पात्रता परीक्षा में जो यह डिग्रियों और अनुभव पर भी भारी पड़ रही है। शिक्षा महाविद्यालयों के जानकारों की मानें तो यह किसी भी अन्य भर्ती परीक्षा जैसा ही है। शिक्षक पात्रता परीक्षा से टीचर की गुणवत्ता में कोई बढ़ोत्तरी होती हो, ऐसा नहीं लगता। यह परीक्षा किसी भी सूरत में 10, 15 या 20 साल के अध्यापन अनुभव का मुकाबला नहीं कर सकता। ऐसा लगता है कि अदालत का उद्देश्य एक व्यवस्था को बनाने में सहयोग करना मात्र है। वहीं वरिष्ठ शिक्षाविदों का मानना है कि इस शर्त के चलते अब सरकार के लिए शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण करने का काम अब कुछ आसान हो जाने वाला है।

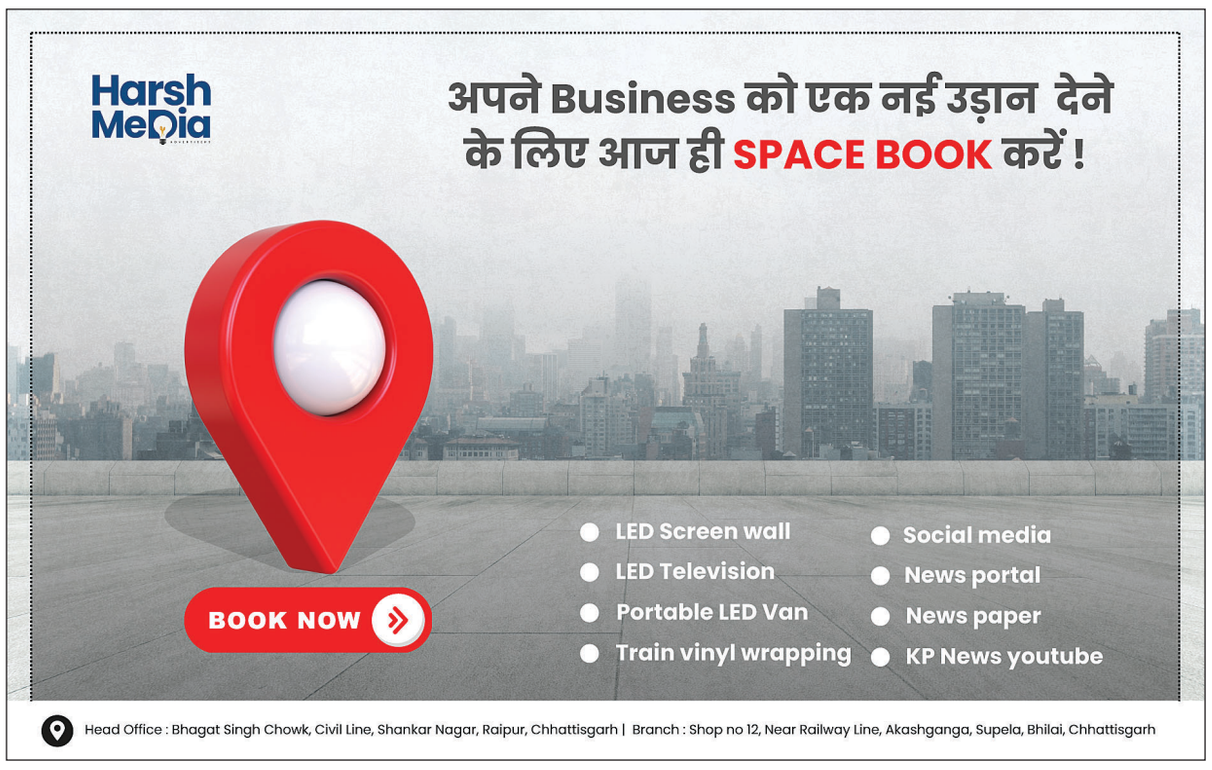

संपादकीय

पर्यावरण के प्रति लापरवाह रवैया

दुनिया में प्रदूषण की स्थिति बहुत गंभीर है। बढ़ते प्रदूषण से न केवल स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं, बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। वायु प्रदूषण की वजह से दुनिया को हर साल 8.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है। वायु प्रदूषण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित हाशिए पर पड़े लोगों को असमान रूप से प्रभावित करता है। प्रदूषण की वजह से दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद में 6.1 फीसदी की कमी आती है। साथ ही हर साल 1.2 बिलियन कार्य दिवसों का नुकसान होता है। दुनिया के 20 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 13 भारत के ही हैं, जिनमें राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली दूसरे स्थान पर है। भारत में जल के लगभग 70 प्रतिशत स्रोत प्रदूषित हो चुके हैं।

“ देश में वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण पर नजर रखने के लिए 2018 में प्रदूषण नियंत्रण योजना शुरू की गई थी और इसके लिए पूरी राशि सरकार ही उपलब्ध करा रही है। सरकार का राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का 5.4 फीसदी वायु प्रदूषण पर खर्च करता है, लेकिन प्रदूषण नियंत्रण के लिए 2024-25 में 858 करोड़ रुपये के बजट का केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरी के अभाव में उपयोग नहीं हो सका। चालू वित्त वर्ष समाप्त होने वाला है, ऐसे में यह स्थिति प्रदूषण को लेकर लापरवाह रवैया एवं ठोस योजना के अभाव की तरफ इशारा कर रही है।

संसदीय समिति की रिपोर्ट के मुताबिक हैरत की बात है कि पर्यावरण प्रदूषण के नियंत्रण के लिए सरकार ने 858 करोड़ रुपये में से एक प्रतिशत भी पैसा खर्च नहीं किया। प्रदूषण नियंत्रण योजना के तहत, केंद्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और समितियों को वित्तीय सहायता और राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के लिए पैसे मुहैया कराता है, जिसका उद्देश्य 131 अत्यधिक प्रदूषित शहरों में प्रदूषण को 40 प्रतिशत तक कम करना है। वास्तव में भारत में प्रदूषण की गंभीर स्थिति पिछले कई वर्षों से वैश्विक सुर्खियों में रही है।

देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखना चाहिए और इसमें किसी प्रक्रियात्मक देरी जैसे अनुमति मिलने में देरी की भी गुंजाइश नहीं है। ऐसे में संसदीय समिति की रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। सवाल उठता है कि ऐसी योजना के लिए अनुमति समय रहते क्यों नहीं मिलती है, विशेषकर जब देश के शहरों में प्रदूषण गंभीर स्तरों तक पहुंच चुका है। कहा जा सकता है कि प्रदूषण की समस्या को देखते हुए आवंटित राशि का सही तरीके से उपयोग किया जाना बेहद आवश्यक है। यदि इस स्थिति में सुधार नहीं किया गया, तो प्रदूषण का स्तर और भी गंभीर हो सकता है।

पोषण भी पढ़ाई भी: भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, भारत सरकार

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरुआत –अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्य आकार लेता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने-न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षा: आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है।

आज के भारत में, खेल अब सिर्फ मनोरंजन भर नहीं, अपितु —नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुल स्पष्ट और विश्वसनीय हैं । पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्यावस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है—जीवन के शुरुआती छह वर्षों में।

वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में—पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई। विकासशील भारत के लिए ये वृद्धि बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत के ये निष्कर्ष वैश्विक शोध के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि पाँच साल की उम्र से पहले गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों में उच्च आईक्यू, बेहतर सामाजिक कौशल और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की संभावना 67 प्रतिशत अधिक होती है। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जेम्स हेकमैन की प्रसिद्ध उक्ति है,जितनी जल्दी शुरुआत,उतने बेहतर परिणाम- और उतने ही कुशल रिटर्न उनके शोध में अनुमान व्यक्त किया गया है कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में निवेश से 13-18 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है-जो शिक्षा या नौकरी के प्रशिक्षण के किसी भी अन्य चरण से अधिक है।

ईसीसीई के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही प्रकार के महत्व को समझते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी नामक एक पहल शुरू की है, जिसने आंगनवाड़ी केंद्रों को जीवंत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में तब्दील कर दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पहली बार स्थानीय और स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग कर गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित रूप से ईसीसीई में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षण-अधिगम सामग्री के लिए बजट आवंटन में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है, और मासिक ईसीसीई दिवसों को संस्थागत रूप दिया गया है। आज, आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण का स्थान नहीं है-यह प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला है, जो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समग्र विकास का पोषण करती है।

मंत्रालय ने इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-आधारशिला, की शुरुआत की है। आधारशिला बच्चों के केवल बौद्धिक विकास पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण पर भी जोर देते हुए समग्र विकास पर केंद्रित है। यह खेल के माध्यम से सीखने की व्यवस्थित प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, जिससे बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण में बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलता है।

बच्चे खेलने के प्रति सहज रूप से आकर्षित होते हैं-अपनी दुनिया के कोने-कोने को खोज और आनंद के स्थान में तब्दील कर देते हैं। सही वातावरण के साथ यह प्रवृत्ति आजीवन सीखने की नींव बन जाती है। पोषण भी पढाई भी सुरक्षित, व्यवस्थित और प्रेरक वातावरण प्रदान करके इस भावना को पोषित करती है जहाँ बच्चे निर्देशित खेल और शिक्षा के माध्यम से फल-फूल सकते हैं। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) हमारे देश के भविष्य को आकार देने में बुनियादी भूमिका निभाती है। पोषण भी पढाई भी पहल के तहत, देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों को समग्र प्रारंभिक शिक्षा के लिए पोषण स्थलों में बदला जा रहा है। व्यवस्थित आधारशिला की 5+1 साप्ताहिक योजना यह सुनिश्चित करती है कि दिन की शुरुआत 30 मिनट के उन्मुक्त खेल से हो, उसके बाद भाषा, रचनात्मकता, मोटर स्किल और सामाजिक संपर्क को बढ़ाने वाली व्यवस्थित गतिविधियाँ हों। दोपहर के पौष्टिक भोजन और आराम के बाद, दिन का समापन बाहरी खेल और बातचीत के साथ होता है, जो मूल्यों को सुदृढ़ करता है और भावनात्मक संबंध बनाता है।

व्यवस्थित और निर्बाध खेल के प्रति यह संतुलित दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आलोक में, जिसने औपचारिक स्कूल प्रवेश की आयु को छह वर्ष कर दिया है। व्यवस्थित ईसीसीई यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक रूप से स्कूल के लिए तैयार हों। देश भर के अभिभावकों का बढ़ता विश्वास वास्तव में उत्साहजनक है। जो परिवार पहले कभी आंगनवाड़ियों को केवल पोषण केंद्र मानते थे, अब उन्हें अपने बच्चे की शिक्षा की यात्रा में पहला कदम मानते हैं।

भारत में हर बच्चा जन्म से ही मज़बूत शुरुआत का हक़दार है। जन्म से तीन साल तक की आयु वर्ग के बुनियादी महत्व को समझते हुए मंत्रालय ने प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रीय ढाँचा-नवचेतना की भी शुरूआत की है। यह पहल माता-पिता और देखरेखकर्ताओं को बच्चों के विकास के लिए घर पर ही सरल, खेल-आधारित, आयु के -उपयुक्त गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाती है।

माता-पिता की भागीदारी बच्चे के विकास की कुंजी है। जहाँ एक ओर उच्च आय वाले परिवार खिलौनों और किताबों में निवेश कर सकते हैं, वहीं सरकार की भूमिका कम आय वाले परिवारों के लिए समान अवसर प्रदान करने की है। नवचेतना और पोषण भी पढ़ाई भी के माध्यम से, हम भारत के कोने- कोने में हर बच्चे को शुरू से ही आवश्यक प्रोत्साहन, देखभाल और पोषण मिलना सुनिश्चित करते हुए इस अंतर को पाट रहे हैं।

यदि भारत को सही मायनों में विकसित बनना है, तो हमारी युवा पीढ़ी को जीवन की सही शुरुआत के साथ सशक्त बनाना होगा। खेल कोई विलासिता नहीं है-यह सीखने का आधार है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारत के प्रत्येक बच्चे को सीखने, बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिले-क्योंकि राष्ट्र निर्माण की शुरुआत उसके सबसे छोटे नागरिकों के पोषण से होती है।

मेड इन इंडिया उत्पाद खरीदने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आह्वान

अजीत द्विवेदी

भारत में एक और स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में इसका आह्वान किया और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लागू होने से पहले यानी 27 अगस्त से पहले उन्होंने कई बार यह आह्वान दोहराया। उन्होंने देश के लोगों से अपने देश में बनी वस्तुओं का इस्तेमाल करने की अपील की। इतना ही नहीं उन्होंने भारत के कारोबारियों से आह्वान किया कि वे देश में बना सामान बेचें। इसके बाद उन्होंने कारोबारियों से आह्वान किया कि वे अपनी दुकान के ऊपर बोर्ड लगाएं कि, 'यहां स्वदेशी सामान बिकता है'। प्रधानमंत्री की अपील थी, 'यह त्योहारों का मौसम है। अब नवरात्रि, विजयादशमी, धनतेरस, दिवालीज ये सभी त्योहार आ रहे हैं। ये हमारी संस्कृति के उत्सव हैं, लेकिन ये आत्मनिर्भरता के भी उत्सव होने चाहिए। इसलिए, मैं आपसे एक बार फिर आग्रह करता हूं कि हमें अपने जीवन में एक मंत्र अपनाना होगा, हम जो भी खरीदेंगे वह 'मेड इन इंडिया' होगा, स्वदेशी होगा'।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 11 साल से आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात कर रहे हैं। वे पिछले 10 साल से 'मेक इन इंडिया' अभियान चला रहे हैं और अब स्वदेशी आंदोलन 2.0 का ऐलान करते हुए लोगों को 'मेड इन इंडिया' उत्पाद खरीदने का आह्वान कर रहे हैं। सवाल है कि पिछले 11 साल में भारत अपनी जरुरतों के मामले में कितना आत्मनिर्भर हुआ है? इसका जवाब यह कि इस अवधि में आत्मनिर्भर होने की बजाय दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता बढ़ती गई है। देश के नागरिक रोजमर्रा की जरुरत की चीजों के लिए चीन और दूसरे देशों पर निर्भर हो गए हैं।

चीन के साथ भारत का कारोबार दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ा है और उसी अनुपात में व्यापार घाटा भी बढ़ा है। भारत का तेल आयात 2014 में 80 फीसदी के करीब था, जो बढ़ कर 82 फीसदी हो गया है। वैकल्पिक ऊर्जा के तमाम उपायों के बावजूद भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों के लिए दूसरे देशों पर ज्यादा निर्भर हो गया है। सिर्फ इस साल में अमेरिका से हमारी ऊर्जा खरीद पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो गई है। हम जो चीजें बनाने का दावा कर रहे हैं उनके भी जरूरी कंपोनेंट दुनिया के दूसरे देशों से आ रहे हैं।

हालांकि अब आत्मिर्भरता की परिभाषा वही नहीं है, जो डेढ़ सौ साल पहले भारत के पहले स्वदेशी आंदोलन के समय थी। वास्तविकता यह है कि वर्तमान विश्व में कोई भी देश अपने को आत्मनिर्भर नहीं बना सकता है और न आत्मनिर्भर होने का दावा कर सकता है। अमेरिका और चीन भी अपवाद नहीं हैं। उनका काम भी दुनिया के बगैर नहीं चल सकता है। दुनिया एक गांव में बदल गई है, जिसमें सब एक दूसरे से जुड़े हैं और सबको एक दूसरे की जरुरत है।

मनुष्य के संबंध में महान दार्शनिक अरस्तू ने कहा था, 'मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। अगर कोई समाज में रहने में अक्षम है या समझता है कि उसे किसी की जरुरत नहीं है क्योंकि वह अपने लिए सक्षम है तो वह या तो राक्षस है या देवता'। उसी तरह आज की दुनिया में देशों के लिए कहा जा सकता है। आज कोई भी देश यह कहने की स्थिति में नहीं है कि उसे किसी की जरुरत नहीं है और वह अपने लिए सक्षम है। सवाल है कि ऐसे विश्व में आत्मनिर्भरता का क्या अर्थ है? ऐसे विश्व में आत्मनिर्भरता का अर्थ बराबरी का संबंध है, जिसमें बेचारगी नहीं होनी चाहिए और यह तब होगा, जब किसी और तरीके से आप भी सक्षम होंगे। अगर आप कुछ खरीद रहे हैं तो आपके पास कुछ बेचने के लिए भी होना चाहिए। समानों के बीच ज्यादा समानता होती है, इसका हमेशा ध्यान रखना चाहिए।

दुर्भाग्य से पिछले 11 साल से सिर्फ बातें हुई हैं और इस दौरान देश और इसके नागरिकों को सक्षम बनाने की बजाय उनको सरकारी राहतों और सरकार की कृपा पर निर्भर बनाया गया है। भारत में अमेरिका की तरह बड़ा कॉरपोरेशन बनाने की मूर्खतापूर्ण सोच में देश में पहले से चल रहे छोटे छोटे उद्यमों को हतोत्साहित करके या मनमाने आर्थिक फैसलों व नीतियों के जरिए बंद करा दिया गया। नतीजा यह हुआ कि देश के लघु, सूक्ष्म और मझोले उद्यमी कारोबारी बन गए। उन्होंने अपना उद्यम बंद कर दिया और चीन व दूसरे देशों से सामान लाकर बेचने लगे। इससे भारत की निर्भरता चीन और दूसरे देशों पर बढ़ती गई।

भारत उद्यमियों की बजाय कारोबारियों का देश बन गया। इससे देश में अमीरी नहीं आई और न उपभोग बढ़ा। जानकर हैरानी होगी कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश की दुनिया के कुल उपभोग में हिस्सा सिर्फ नौ फीसदी है। सोचें, दुनिया का हर छठा आदमी भारतीय है लेकिन दुनिया सौ रुपया खर्च करती है तो उसमें सिर्फ नौ रुपया भारतीय लोग खर्च करते हैं, जो कम से कम 16 रुपया होना चाहिए। सो, स्थिति यह है कि भारत न उत्पादन कर रहा है और न आबादी के अनुपात में उपभोग कर रहा है। अगर हम उपभोग ज्यादा कर रहे होते तब भी दुनिया झुकती।

आमतौर पर लोग मानते हैं कि भारत में स्वदेशी की शुरुआत महात्मा गांधी ने की थी लेकिन ऐसा नहीं है। महात्मा गांधी ने स्वदेशी को 'स्वराज की आत्मा' कहा था। लेकिन इसकी शुरुआत जिस समय हुई थी उस समय मोहनदास करमचंद गांधी सिर्फ तीन साल के थे। 1872 में पश्चिम बंगाल और पंजाब के महान स्वतंत्रता सेनानियों और विचारकों ने इसका सिद्धांत दिया था। बंकिमचंद्र चटोपाध्याय ने 'बंगदर्शन' के एक अंक में लिखा था, 'जो विज्ञान स्वदेशी होने पर हमारा दास होता, वह विदेशी होने के कारण हमारा प्रभु बन बैठा है। हमलोग दिन ब दिन साधनहीन होते जा रहे हैं'। इसके बाद स्वदेशी को इस रूप में परिभाषित किया गया कि इसमें किसी किस्म का बलप्रयोग नहीं होगा, बल्कि सर्वाधिक कारगर 'नैतिक शत्रुता' के अस्त्र से लड़ा जाएगा। 1905 में बंगाल विभाजन के समय स्वदेशी आंदोलन विरोध का एक कारगर अस्त्र बना और जब 1915 में महात्मा गांधी भारत आए तो उन्होंने लोगों से विदेशी वस्तुओं को त्यागने और स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया।

यह ब्रिटिश हुकूमत से नैतिक शत्रुता की घोषणा थी, जिसका आह्वान नैतिकता के सर्वोच्च शिखर से महात्मा गांधी ने की थी। उन्होंने स्वंय विदेशी वस्तुओं का परित्याग किया। उनके साथ जुड़े तमाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके घरों के लोगों ने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया। अंग्रेजी हुकूमत की ज्यादतियों से डरे बगैर सार्वजनिक स्थानों पर विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई।

क्या आज के भारत के नेताओं में ऐसा नैतिक बल है? क्या प्रधानमंत्री देश के सामने आकर कह सकते हैं कि वे विदेशी वस्तुओं का परित्याग कर रहे हैं और किसी भी विदेशी वस्तु का प्रयोग नहीं करेंगे? क्या उनकी कैबिनेट के सभी सदस्य एक साथ सामने आ कर अपने घर की विदेशी वस्तुओं की होली जला सकेंगे? क्या भारत के नेताओं की ऐसी नैतिक आभा है कि उनके आह्वान पर लोग विदेशी वस्तुओं का परित्याग करके स्वदेशी अपना लेंगे? इन सब सवालों का जवाब नकारात्मक है। ऐसा नहीं है कि नकारात्मक जवाब सिर्फ नैतिक कारणों से है। व्यावहारिक कारणों से भी अब एक सदी पहले जैसे हालात नहीं हैं कि कोई व्यक्ति या देश पूरी तरह से विदेशी का बहिष्कार कर सके।

स्वदेशी अपनाना और देश को आत्मनिर्भर बनाना सिर्फ नारों से संभव नहीं है और न किसी देश के साथ टैरिफ को लेकर चल रहे टकराव की तात्कालिकता में संभव है। यह एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। इसके लिए छोटे छोटे कदम उठाने होंगे। कारोबारियों को फिर से उद्यमी बनाने के लिए सरकार को योजना शुरू करनी होगी। कारोबारियों को प्रोत्साहित करना होगा कि वे चीन से सामान लाकर बेचने की बजाय उन सामानों का उत्पादन करें। रोजमर्रा की जरुरत की छोटी छोटी वस्तुओं का उत्पादन अगर भारत में होने लगे तो सारा खेल पलट जाएगा। इसी तरह तकनीक में प्रयोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

विशाल और जटिल तकनीक की बजाय शुरुआत छोटी तकनीकों से हो सकती है। चीन की तरह भारत में अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विकसित हो सकता है। जरूरी कामकाज से लेकर मनोरंजन तक के ऐप तैयार हो सकते हैं। अपना सर्च इंजन बनाया जा सकता है। ई कॉमर्स के प्लेटफॉर्म विकसित हो सकते हैं। ध्यान रहे सर्विस सेक्टर में भारत अपने को बेहतर बनाए तो देशी कंपनियों को 140 करोड़ लोगों का बाजार मिलेगा। स्वदेशी अपनाने की दिखावे वाली अपील से पहले भारत में स्वदेशी वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने की ज्यादा आवश्यकता है। यह प्रतीकात्मक मामला नहीं होना चाहिए और किसी देश पर दबाव डालने के लिए इतने इतने महान विचार का सतही इस्तेमाल भी नहीं किया जाना चाहिए।

ट्रंप प्रशासन की नीति को प्रभावित करना मुश्किल

ट्रंप ने गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत भी बना दिया है।

यह अच्छी खबर है, क्योंकि भारत में ट्रंप का दूत एक ऐसा व्यक्ति होगा, जो उनका खास विश्वस्त है। मगर पेच यह है कि ट्रंप ने साथ ही गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत भी नियुक्त कर दिया है। यानी उन्होंने भारत को इन क्षेत्रों से संबंधित देशों के साथ एक समूह में रखा है। मतलब यह कि उनकी रणनीति में भारत इतना महत्तवपूर्ण नहीं है कि वहां के लिए एक विशिष्ट राजदूत की नियुक्ति की जाए।

सर्जियो गोर के कार्यक्षेत्र में जो देश आएंगे, उनमें पाकिस्तान और अफगानिस्तान भी हैं। ऐसी चर्चा है कि ट्रंप इस क्षेत्र की अपनी सुरक्षा रणनीति में पाकिस्तान को खास अहमियत दे रहे हैं, क्योंकि वे उसकी अफगानिस्तान में स्थिरता लाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका देखते हैं। इसके अलावा ट्रंप प्रशासन पाकिस्तान का उपयोग ईरान और चीन से अंदरूनी संपर्क बनाए रखने के माध्यम रूप में भी करना चाहता है। ऐसे में आशंका यह है कि सर्जियो गोर भारत और पाकिस्तान को समान पलड़े पर रखने की नीति पर चल सकते हैं। इससे भारत की चुनौतियां बढ़ सकती हैं। जहां तक आर्थिक मामलों में अमेरिका से संबंध बेहतर करने में गोर की भूमिका का प्रश्न है, तो बेशक ट्रंप तक उनकी सीधी पहुंच इस दिशा में सहायक हो सकती है।

मगर मुश्किल यह है कि ट्रंप ने टैरिफ वॉर विश्व व्यापार और विश्व भू-राजनीतिक संतुलन को पुनर्संगठित करने के मकसद से छेड़ा है। भारत उसका अधिक शिकार हुआ है, तो उसकी वजह ट्रंप प्रशासन का यह आकलन है कि भारत के पास जवाबी कार्रवाई कर अमेरिका को क्षति पहुंचाने की ताकत नहीं है। अब ये साफ हो चुका है कि ट्रंप की पूरी विदेश नीति ताकत दिखाने और ताकतवर से तालमेल बनाने पर आधारित है। ऐसे में इन अटकलों का आधार है कि सिर्फ राजनयिक संवाद या कूटनीतिक संदेशों से ट्रंप प्रशासन की नीति को प्रभावित करना बेहद मुश्किल है।

रजत महोत्सव : धमतरी जिले की कृषि प्रगति : 25 वर्षों की उपलब्धियों की सुनहरी गाथा

शशिरत्न पराशर

वर्ष 2000 की तुलना में वर्ष 2025 तक धमतरी जिले की कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। जिले के कृषकों ने परंपरागत खेती से आगे बढ़ते हुए आधुनिक तकनीकों को अपनाया, सिंचाई सुविधाओं का अधिकतम उपयोग किया तथा शासन की योजनाओं से लाभान्वित होकर उत्पादन और क्षेत्रफल दोनों में उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। यह परिवर्तन जिले की कृषि क्षमता और किसानों की मेहनत का जीवंत प्रमाण है।

सबसे पहले अनाज एवं धान्य फसलों की स्थिति पर दृष्टि डालें तो खरीफ फसल का रकबा जहाँ वर्ष 2000 में 1,37,575 हेक्टेयर था, वहीं वर्ष 2025 में यह लगभग स्थिर रहते हुए 1,35,886 हेक्टेयर दर्ज किया गया। यह दर्शाता है कि धान जिले की मुख्य खरीफ फसल के रूप में अपनी स्थिति को बरकरार रखे हुए है। इसके विपरीत रबी फसलों का क्षेत्र 40,930 हेक्टेयर से बढ़कर 60,620 हेक्टेयर हो गया है, जो 48.11% की वृद्धि को इंगित करता है। यह वृद्धि जिले में रबी फसलों की लोकप्रियता और किसानों द्वारा आधुनिक सिंचाई साधनों के उपयोग का प्रत्यक्ष परिणाम है।

दलहन और तिलहन फसलों में भी जिले ने नई ऊँचाइयाँ प्राप्त की हैं। खरीफ दलहन का क्षेत्र जहाँ 498 हेक्टेयर था, वह 693 हेक्टेयर तक पहुँच गया। वहीं रबी दलहन में तो अभूतपूर्व 205.49% की वृद्धि दर्ज की गई और यह क्षेत्र 10,570 हेक्टेयर से बढ़कर 32,290 हेक्टेयर हो गया। इसी प्रकार तिलहन फसलों में जहाँ खरीफ में 10.52% की गिरावट आई, वहीं रबी में 498.04% की उल्लेखनीय वृद्धि ने जिले को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया है।

सिंचाई सुविधाओं का विस्तार जिले की कृषि उन्नति का सबसे मजबूत आधार साबित हुआ है। वर्ष 2000 में खरीफ का सिंचित क्षेत्र 87,390 हेक्टेयर था, जो बढ़कर 1,20,026 हेक्टेयर हो गया। यह 37.35% की वृद्धि है। रबी में तो और भी बड़ी छलांग लगाई गई है। यहाँ सिंचित क्षेत्र 32,500 हेक्टेयर से बढ़कर 74,490 हेक्टेयर हो गया है, जो 129.20% की ऐतिहासिक वृद्धि दर्शाता है। यही कारण है कि जिले में रबी फसलों की उत्पादकता और स्थिरता दोनों में इजाफा हुआ है।

जिले में बीज और उर्वरक वितरण की व्यवस्था भी किसानों के हित में लगातार सुदृढ़ हुई है। वर्ष 2025 में बीज वितरण 60,895 क्विंटल और उर्वरक वितरण 26,950 टन दर्ज किया गया। बीज उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत खरीफ में 650 हेक्टेयर और रबी में 268 हेक्टेयर क्षेत्र सम्मिलित किया गया है। फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ में 10,864.4 हेक्टेयर और रबी में 5,445 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया, जिससे किसानों को जोखिम प्रबंधन की सुविधा उपलब्ध हुई।

जैविक खेती के क्षेत्र में भी सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। वर्ष 2000 की तुलना में खरीफ में जैविक खेती का क्षेत्र 1,180 हेक्टेयर से बढ़कर 1,680 हेक्टेयर तथा रबी में 100 हेक्टेयर से बढ़कर 250 हेक्टेयर हो गया है। यह वृद्धि पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि की दिशा में किसानों की बढ़ती रुचि को दर्शाती है।

किसानों की आय संवर्धन के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जिले के 1,02,036 कृषक सीधे लाभान्वित हुए हैं। समर्थन मूल्य पर उपार्जन की स्थिति भी उत्साहजनक रही है। वर्ष 2000 में जहाँ धान का समर्थन मूल्य 540 रुपये प्रति क्विंटल था, वहीं 2025 में यह बढ़कर 3,100 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है, जो 474% की वृद्धि है। इसके अलावा, पहली बार जिले में चना उपार्जन भी किया गया, जिसमें 2,212 किसानों से 20,646.5 क्विंटल चना खरीदा गया और 1,166.52 लाख रुपये का भुगतान किया गया।

पिछले 25 वर्षों में धमतरी जिले की कृषि व्यवस्था ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। रबी फसलों, दलहन एवं तिलहन उत्पादन, सिंचाई विस्तार, जैविक खेती और

समर्थन मूल्य पर उपार्जन जैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति से न केवल किसानों की आय में वृद्धि हुई है बल्कि कृषि क्षेत्र आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर हुआ है। खरीफ 2025 की फसल क्षेत्राच्छादन की प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत जिले की कृषि उपलब्धियों का नया अध्याय और सशक्त रूप से सामने आएगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

निगम से सेवानिवृत्त होने वाले 2 कर्मचारियों को दी गई बिदाई

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले 2 कर्मचारियों को स-सम्मान बिदाई दी गई। मुख्य कार्यालय सभागार में आयोजित बिदाई समारोह में आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने पम्प सहायक वेदलाल यादव एवं उमेश निर्मलकर को निगम प्रशासन की ओर से स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफ्ल भेंट करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किये। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए शुभकामनाएं दिए। इन कर्मचारियों ने अपने सेवाकाल अवधि को सबके समक्ष साझा करते हुए शासन एवं निगम प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किए। बिदाई कार्यक्रम में अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, उपायुक्त नरेंद्र बंजारे, उप अभियंता स्वेता माहेश्वर, स्टेनो पुरुषोत्तम सिन्हा, संजय शर्मा, शशिभूषण मोहंती, शरद दुबे, अजय शुक्ला राजकुमार सच्चर, सेन गुप्ता, कुलदीप रोशन, विकास बेलकर एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वीरांगना रानी अवंतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं, विशेष कर वीरता, शौर्य, साहस तथा महिलाओं में आत्मबल को सशक्त करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से वीरांगना रानी अवंतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार वर्ष 2025 प्रदान किया जाना है। पुरस्कार के रूप में एक महिला को दो लाख रूपये की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका सम्मान के रूप में प्रदान किया जाएगा। उक्त पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को 26 सितम्बर 2025 तक सीलबंद लिफाफे एवं लिफाफे के ऊपर वीरांगना रानी अवंतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार वर्ष 2025 अंकित कर निर्धारित प्रपत्र में जमा करना होगा। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाएगा। पुरस्कार के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए जिले की वेबसाईट www.durg.gov.in का अवलोकन किया जा सकता है।

अमानक बीज विक्रय पर प्रतिबंध

दुर्ग। जिले में किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में बीज निरीक्षक द्वारा जिले के एक प्रतिष्ठान से बीज का नमूना लिया गया था, जिसे बीज परीक्षण हेतु रायपुर स्थित प्रयोगशाला भेजा गया। उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी अनुसार संबंधित बीज सोयाबीन/दफ्तरी, लॉट नंबर डीडी-24-6090-टीएल अमानक स्तर का पाया गया है, जिसके कारण इस बीज के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में दुर्ग जिला बना छत्तीसगढ़ में नंबर वन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत दुर्ग जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पूरे छत्तीसगढ़ में पहला स्थान प्राप्त किया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री बजरंग कुमार दुबे की सतत निगरानी और टीम भावना के चलते जिले ने आवास निर्माण में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2024-25 तक दुर्ग जिले को कुल 41,666 आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिसमें से 92.6 प्रतिशत आवासों को स्वीकृति दी जा चुकी है।

95.9 प्रतिशत हितग्राहियों को द्वितीय किस्त जारी की जा चुकी है, वहीं 70.6 प्रतिशत आवासों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत 90 दिनों का रोजगार 86.2 प्रतिशत हितग्राहियों को प्रदान किया गया है, जो प्रदेश में सर्वाधिक है। जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे की कार्ययोजना, फील्ड विजिट और तकनीकी निगरानी की अहम भूमिका रही। प्रशासन ने मिशन मोड में काम करते हुए सभी जनपद और ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों को प्रतिदिन निरीक्षण करने के निर्देश दिये गये। इन निरीक्षणों की रोजाना वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की गई।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले को 12,788 नए आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ था। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु ग्राम पंचायतों में सचिव, रोजगार सहायक एवं तकनीकी सहायकों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया। साथ ही 'आवास मित्रों' की नियुक्ति कर उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे लाभार्थियों को आवास निर्माण के हर चरण में मदद मिल सके। राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया ताकि निर्माण कार्य में कोई विलंब न हो। स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को समन्वयक बनाकर निर्माण कार्य में सहभागी बनाया गया। निर्माण सामग्री जैसे लेबर, सेंटरिंग प्लेट, जल आपूर्ति आदि की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान किया गया। बड़े निर्माण कार्य वाले गांवों में सामग्री का केंद्रीकृत भंडारण कर लाभार्थियों को आसानी से उपलब्ध कराया गया।

दुर्ग जिले की यह कार्यप्रणाली अब पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए एक मॉडल के रूप में उभर कर सामने आ रही है। प्रशासन की तत्परता, फील्ड लेवल पर मजबूत निगरानी और संसाधनों के कुशल प्रबंधन के चलते यह योजना जमीन पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित हो रही है। सीईओ बजरंग दुबे ने कहा कि 'यह सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। प्रत्येक स्तर पर प्रगति के अनुसार किस्तों की राशि प्रतिदिन हस्तांतरित की गई। सभी जनपद पंचायतों में समीक्षा बैठकें आयोजित कर कार्य की निगरानी की गई, जिससे लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित हो सकी।

दुर्ग भिलाई इकाई ने मनाया यूथ हॉस्टल्स फाउंडेशन डे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया दुर्ग भिलाई इकाई द्वारा यूथ हॉस्टल्स फाउंडेशन डे का आयोजन किया गया। विदित हो कि 114 वर्ष पहले एक प्रख्यात जर्मन स्कूल शिक्षक रिचर्ड शिरमेन ने यूथ हॉस्टल्स की स्थापना किया था। उन्होंने 1912 में जर्मनी के अल्टेनिया में पहला यूथ हॉस्टल स्थापित किया था। फैमिली गेट टुगेदर सह स्थापना दिवस के इस आयोजन में यूथ हॉस्टल्स के लगभग चालीस सदस्यों की उपस्थिति रही।

यूथ हॉस्टल्स भिलाई इकाई चेयरमेन के. सुब्रमण्यम और प्रेसिडेंट ऋषि कांत तिवारी ने बताया कि आयोजन में विविध कार्यक्रम हुए। सचिव सुबोध देवाँगन ने बताया कि आयोजन की शुरुआत संस्थापक सदस्यों की तस्वीर पर पुष्पार्पण से हुआ। उन्होंने यूथ हॉस्टल्स की गतिविधियों, सदस्यों को सुविधा अवसर एवं लाभ के सम्बन्ध में भी विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर दुर्ग भिलाई इकाई के आयोजनों में अधिकाधिक भागीदारी के लिए यूथ आइकॉन के रूप में संस्था के वरिष्ठ सदस्य दम्पति हरदेव सिंह गिल एवं मंजीत कौर गिल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेस्ट ऑफद वेस्ट में इकाई के जूनियर मेम्बर मृणाल पिल्लई को प्रथम सांत्वना पुरस्कार प्राप्त होने के अवसर पर राष्ट्रीय प्रमाण पत्र, नगद पाँच सौ रुपये और भिलाई इकाई द्वारा उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ सदस्य हरिशरणजीत कौर द्वारा संस्था को चेंजिंग टेंट प्रदान किया गया। फाउंडेशन डे का यह आयोजन फैमिली गेट टू गेदर के रूप में आयोजित रहा।

जिसमें ओम तिवारी ने गिटार पर खूबसूरत प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पी. के. सिंह, सुमन माण्डवे एवं अविनाश तिवारी ने सुमधुर गानों से सभी को थिरकने के लिए मजबूर कर दिया। सदस्यों ने यूथ हॉस्टल्स से जुड़े अपने अपने अनुभव भी शेयर किये। अन्त में केक काटकर संस्था की सक्रिय सदस्य शबीना अलमास का जन्मदिन मनाया गया। आयोजन को सफल बनाने में सुधीर अवधिया, महेन्द्र देवांगन, हेमलाल देवाँगन, पी के सिंह, पंकज मेहता, दीपक धीमान, संदीप दवे, संजय द्विवेदी, के. श्रीराम, श्वेता तिवारी, विनय शुक्ला, अनीता शुक्ला, डॉ. आर पी तिवारी, जया तिवारी, अभय तिवारी, अविनाश तिवारी, अमित अग्रवाल, मो. अलमास, लता तिवारी, ओम तिवारी, ओमकुमारी देवांगन, अंशुल देवाँगन, लीना देवांगन, सुमन माण्डवे, देवांश माण्डवे, के. सिन्धु, के. स्तुति, बी. समीर, पुष्पलता वर्मा, नीतू वर्मा इन्द्रजीत कौर, रश्मि मेहता और के. श्रीराम और कल्पना अवधिया सहित अन्य सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

अनन्त चतुर्दशी के दिन ही करें विसर्जन छोटी मूर्तियां कुंड में हों विसर्जित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अनंत चतुर्दशी का दिन सनातन धर्म में बहुत खास माना गया है। इसी दिन दिगंबर जैन धर्मावलंबियों का पर्यूषण पर्व समाप्त होता है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने क्षेत्र की सभी बड़ी छोटी पूजा समितियों से अपील की है कि अनंत चतुर्दशी 6 सितंबर के दिन ही गणेशजी की मूर्तियों का विसर्जन करें।

विधायक सेन ने कहा कि गणपति विसर्जन एक भावुक पल होता है। इसमें भक्त भगवान के अपने घर पधारने के लिए आभार जताते हैं और अगले वर्ष फिर आने का निवेदन करते हैं। गणपति विसर्जन पूरे विधि-विधान, श्रद्धा के साथ किया जाता है। सभी पूजा समितियों को शासन की गाइड लाइन का पालन करते हुए समय पर विसर्जन करना है ताकि आगामी वर्षों के आयोजन में उन्हें परमिशन में दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

श्री सेन ने कहा कि मूर्ति विसर्जन से जल स्त्रोतों की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिसके फ्लस्वरूप न केवल जलीय जीव-जंतुओं की जान को खतरा उत्पन्न होता है, अपितु जल प्रदूषण की स्थिति भी उत्पन्न होती है। मूर्ति का विसर्जन किये जाने के संबंध में नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल सेन्ट्रल जोनल बेंच द्वारा जारी गाईड लाईन का पालन करते हुए निश्चित समय पर ही विसर्जन करना है। इसके लिए नगर निगम भिलाई ने आवश्यक व्यवस्था भी की है। विसर्जन के लिए सूचीबद्ध सभी तालाब/नदी एवं अस्थायी पांड/कुंड तक पहुँच मार्ग सहित विसर्जन उपरांत वेस्ट मटेरियल, पूजा सामग्री, फूल, कपड़े, प्लास्टिक, पेपर आदि को सुरक्षित एकत्र कर पुर्नउपयोग एवं कम्पोस्टिंग में किया जाना है।

आयुक्त ने सड़को के सौंदर्यीकरण हेतु लगाए जा रहे डिजाइनर पोल का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक 01 नेहरू नगर भेलवा तालाब में आवश्यक सुधार कार्य, जुनवानी स्थित आनंद नगर में स्वीकृत रोड निर्माण, डिजाइनर पोल एवं तालाब की साफ-सफाई का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

आयुक्त पाण्डेय ने नेहरू नगर स्थित भेलवा तालाब के साफ-सफाई व्यवस्था को देखे और आवश्यक सुधार हेतु जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत को निर्देशित किए हैं। माननीय विधायक रिकेश सेन के विधायक निधि से भेलवा तालाब में आवश्यक संधारण कार्य हेतु निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। आवश्यक लाइटिंग, संधारण एवं पैंटीग का कार्य कराया जाएगा। जुनवानी स्थित आनंद नगर में नया रोड निर्माण किया जाना है, उक्त स्थल का अवलोकन कर रोड निर्माण कार्य शीध्र ही प्रारंभ करने निर्देशित किए हैं।

एजेंसी से मौके पर निगम आयुक्त द्वारा चर्चा किया गया है जिसके अनुसार तत्काल कार्य प्रारंभ किया जाएगा। मॉडल टाउन में नेहरू नगर से सूर्या मॉल तक तक रोड सौंदर्यीकरण हेतु डिजाइनर पोल लगाया जा रहा है। जिसका निरीक्षण कर आयुक्त ने कार्य अतिशीध्र पूर्ण करने निर्देशित किए है। आयुक्त ने कोहका आमा तालाब में साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार करते हुए सौंदर्यीकरण हेतु निर्देशित किए है।

एसएमएस-3 में स्टील ज़ोन क्विज़ का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में स्टील ज़ोन सेफ्टी क्विज़ का आयोजन एसएमएस-3, वर्क्स बिल्डिंग-5 के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। इस प्रतियोगिता में ठेका श्रमिकों ने अपनी तत्परता और सुरक्षा ज्ञान की उत्कृष्ट क्षमता का प्रदर्शन किया। कुछ विभागों से अनस्किल्ड वर्कर श्रेणी की महिला प्रतिभागियों ने भी अपनी प्रतिभागिता दर्ज की।

प्रतियोगिता में सात विभागों एसएमएस-2, एसएमएस-3, एमआरडी-आरएमडी, आरसीएल, ओपी-2, पीएलईएम तथा आरईडी ने भाग लिया। कुल 21 टीमों में से एसएमएस-3 से सुश्री हेमलता देवांगन, गलेन्द्र साहू और ताम्रध्वज की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः एसएमएस-2 से राजेश्वर प्रसाद वर्मा एवं श्री सुमीत द्विवेदी की टीम तथा टी. विजय कुमार एवं श्री रूपेन्द्र कुमार साहू की टीम ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक एस.के. घोषाल, महाप्रबंधक प्रभारी एस.के. अग्रवाल तथा मुख्य महाप्रबंधक त्रिभुवन बैठा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्हें क्विज में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर पुरस्कार प्राप्त करने हेतु बधाई दी। प्रश्नपत्र की तैयारी और मूल्यांकन का कार्य महाप्रबंधक राजेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। आयोजन का समन्वयन महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी पुष्पा एम्ब्रोज तथा महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी बिनीतोष बाला ने किया।

क्विज़ का संचालन उप प्रबंधक व विभागीय सुरक्षा अधिकारी (एसएमएस-2) सुमित कुमार तथा उप महाप्रबंधक व विभागीय सुरक्षा अधिकारी (एमआरडी) अविनाश दुबे ने किया।

निदेशक प्रभारी ने संयंत्र के विभिन्न विभागों का किया दौरा और कर्मचारियों का बढ़ाया हौसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने 1 सितम्बर, 2025 को संयंत्र के विभिन्न विभागों का दौरा कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मुलाकात की। उन्होंने वर्तमान वित्त वर्ष में प्राप्त उत्कृष्ट उत्पादन व उपलब्धियों पर सभी को बधाई दी तथा आने वाले दिनों में और बेहतर प्रदर्शन हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर संयंत्र बिरादरी में उत्साह का संचार हुआ।

1 सितम्बर, 2025 को संयंत्र भ्रमण का प्रारंभ निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने संयंत्र भवन से किया। इस भ्रमण के दौरान महापात्र के साथ कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अजय कुमार चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन विभाग) पवन कुमार, तथा कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) तापस दासगुप्ता सहित मानव संसाधन विभाग, परियोजना विभाग, जनसंपर्क विभाग व अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी सम्मिलित रहे। संयंत्र भवन के भ्रमण के उपरांत निदेशक प्रभारी सबसे पहले प्लेट मिल पहुँचे, जहाँ उन्होंने विभागाध्यक्ष एवं कर्मचारियों से भेंट की। महापात्र ने वहाँ उत्कृष्ट उत्पादन की जानकारी ली और हाल में प्राप्त रिकार्डस की सराहना की और मिठाइयाँ बाँटकर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ उत्पादन के लिए यदि किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो तो प्रबंधन हरसंभव सहयोग करेगा।

सभी कार्यपालक निदेशकों ने भी कर्मचारियों को बधाई दी और आगामी दिनों में और ऊँचे लक्ष्य हासिल करने हेतु प्रेरित किया इसके पश्चात निदेशक प्रभारी ने यूनिवर्सल रेल मिल, मर्चेंट मिल तथा बार एंड रॉड मिल का भी दौरा किया। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों से संवाद किया तथा उनके प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें महत्वपूर्ण सुझाव व मार्गदर्शन दिया साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर सभी विभाग के विभागाध्यक्ष व वरिष्ठ अधिकारीगण ने निदेशक प्रभारी एवं कार्यपालक निदेशकों का स्वागत किया, जिसमें मुख्य महाप्रबंधक (प्लेट मिल) कार्तिकेय बेहरा, महाप्रबंधक प्रभारी (यूआरएम) विशाल गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (मर्चेंट मिल) एम के गोयल, मुख्य महाप्रबंधक (बार एंड रॉड मिल) योगेश शास्त्री शामिल थे।

अंत में चित्तरंजन महापात्र ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र की उपलब्धियाँ टीमवर्क और समर्पण की एक मिसाल हैं। उन्होंने संयंत्र बिरादरी को बेहतर उत्पादन, सुरक्षा व गुणवत्ता को प्राथमिकता बनाने का आह्वान किया और भरोसा जताया कि आने वाले समय में संयंत्र नई ऊँचाइयाँ हासिल करेगा। उन्होंने उत्पादन के साथ सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने और दुर्घटना रहित उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु संयंत्र बिरादरी को प्रेरित किया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

आईएमए छत्तीसगढ़ और हॉस्पिटल बोर्ड ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ की संयुक्त बैठक में आयुष्मान योजना के सम्बन्ध में हुई सार्थक चर्चा

रायपुर। आईएमए छत्तीसगढ़ और हॉस्पिटल बोर्ड आफ इंडिया छत्तीसगढ़ की राज्य स्तरीय बैठक होटल भिलाई के एक निजी होटल में आयोजित की गई। जिसमें आईएमए अध्यक्ष डॉ. प्रभात पांडे और सचिव डॉ. नीरज शर्मा, डॉ विनोद तिवारी सह अध्यक्ष आईएमए नई दिल्ली, डॉ. सुरेंद्र शुक्ला चेयरमैन, हास्पिटल बोर्ड ऑफ इंडिया छत्तीसगढ, डॉ. नितिन जुनेजा सचिव तथा राज्य एवं जिला शाखा के लगभग 100 प्रतिनिधि उपस्थित थे। जिस पर आयुष्मान योजना के सम्बन्ध पर चर्चा की गई है। बैठक में डॉ सुरेंद्र शुक्ला द्वारा यह बताया गया कि विभागीय मंत्री की पहल पर 375 करोड़ जारी कर दिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा यह भी सूचना दी है कि इसके अतिरिक्त 130 करोड़ भी केंद्र से आबंटित कर दिए गए है जो सितंबर के पहले सप्ताह में विभाग को मिल जाएंगे। इस प्रकार लगभग 505 करोड़ रुपये प्राइवेट अस्पतालों के लगभग पूर्ण बकाया हेतु उपलब्ध हो जाएंगे। सदस्यों ने शासन से इस योजना के अनुपूरक वार्षिक बजट हेतु 1500 करोड़ अतिरिक्त प्रावधान हेतु उचित कार्यवाही करने का निवेदन किया है ताकि योजना में निरंतरता बनी रहे क्योंकि प्रतिमाह 200 से 250 करोड़ की आवश्यकता योजना हेतु है। योजना से संबंधित सभी समस्याओं की चर्चा हेतु शासन और आईएमए एवं अस्पतालों की एक परिचर्चा सितंबर माह में आयोजित की जाएगी। राज्य एवं जिला शाखा के प्रतिनिधियों ने शासन का मरीजों के हितों में लिए गए निर्णयों का स्वागत किया है तथा इस सम्बन्ध मे एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र शासन में मुलाकात कर विस्तृत चर्चा करेगा।

हथबंद स्टेशन पर पुनः रुकेगी अमृतसर-कोरबा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल के सतत प्रयासों और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम एक बार फिर सामने आया है। छत्तीसगढ़ के रेल यात्रियों के लिए बड़ी सौगात देते हुए भारतीय रेलवे ने कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (18237/18238) का हथबंद स्टेशन पर ठहराव पुनः प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। विदित हो कि कोविड-19 काल में वर्ष 2020 से हथबंद स्टेशन पर इस ट्रेन का ठहराव स्थगित कर दिया गया था, जिससे क्षेत्र के हजारों यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था।

स्थानीय जनता की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सांसद श्री अग्रवाल ने हाल ही में हुई रेलवे समीक्षा बैठक में इस विषय को प्रमुखता से उठाया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इतना ही नहीं, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर हथबंद स्टेशन पर ठहराव बहाल करने की मांग रखी। सांसद अग्रवाल के अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि 1 सितम्बर से पुनः इस ट्रेन का ठहराव हथबंद स्टेशन पर प्रारंभ हो गया है। इस निर्णय से न केवल स्थानीय यात्रियों को सुविधा मिलेगी बल्कि व्यापारिक एवं सामाजिक दृष्टि से भी क्षेत्र को लाभ होगा। स्थानीय जनता और यात्री संगठनों ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया है।

ग्रह सांती मंडल पूजन कल

रायपुर। लक्ष्मी रणछोड़ धर्मार्थ न्यास द्वारा संचालित बाबा रामदेव मंदिर, फाफाडीह चौक, इस वर्ष, अपना 48 वां वर्ष धूमधाम से मनाने जा रहा है। मंगलवार को रामदेव पीर बाबा की भव्य शोभायात्रा निकली। तत्पश्चात, स्थानीय गुजराती कलाकारों द्वारा एवम् शीतलबेन व्यास की मंडली द्वारा भजन, कीर्तन,भक्ति गीतों की प्रस्तुति होगी। 3 सितंबर को मंदिर में ग्रह सांती मंडल पूजन, दुग्ध अभिषेक एवं हवन का कार्यक्रम प्रात 9 बजे से 12 तक संपन्न होगा।

पुलिस का अभियान : गुम मोबाइल पाकर खुश हुए मालिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी पुलिस ने एक बार फिर अपनी मुस्तैदी और तकनीकी दक्षता का परिचय दिया है। गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन की तलाश में चलाए गए विशेष अभियान में रायपुर पुलिस ने लगभग 20 लाख रुपये कीमत के 100 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटा दिए। यह बरामद मोबाइल फोन न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि देश के अन्य राज्यों से भी खोजकर लाए गए हैं।

अभियान की शुरुआत और पुलिस की रणनीति गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने सभी पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों और एण्टी क्राईम एंड साइबर यूनिट को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों पर अमल करते हुए पुलिस टीम ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत गुम मोबाइल फोन के आवेदनों की गहन जांच की। इसके बाद तकनीकी विश्लेषण और साइबर ट्रैकिंग के जरिए उन फोन का पता लगाया गया।

रायपुर पुलिस की टीम ने छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों की पुलिस से भी समन्वय कर बड़ी संख्या में फोन बरामद किए। इसमें उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार से फोन रिकवर किए गए। कई मामलों में मोबाइल फोन धारकों को जब बताया गया कि उनके पास चल रहा फोन गुमशुदा है, तो उन्होंने स्वेच्छा से उसे साइबर सेल रायपुर को कुरियर कर भेजा। वहीं, कई बार पुलिस टीम को सीधे मौके पर जाकर फोन जब्त कराना पड़ा। पुलिस द्वारा बरामद किए गए 100 मोबाइल फोन विभिन्न कंपनियों के हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख रुपये आंकी गई है। इन मोबाइल फोनों को विधिवत प्रक्रिया पूरी कर स्वामियों को सुपुर्द कर दिया गया।

इस साल अब तक 650 मोबाइल फोन बरामद

रायपुर पुलिस ने बताया कि वर्ष 2025 में अब तक कुल 650 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपये है। इन सभी फोन को उनके असली मालिकों को लौटा दिया गया है। यह उपलब्धि पुलिस की सतर्कता और तकनीकी दक्षता को दर्शाती है। मोबाइल फोन की बरामदगी में एण्टी क्राईम एंड साइबर यूनिट ने बड़ी भूमिका निभाई। टीम ने फोन की लोकेशन, आईएमईआई नंबर और तकनीकी डेटा का विश्लेषण कर उन लोगों तक पहुंच बनाई, जो फोन का उपयोग कर रहे थे। कई बार ऐसे लोग मोबाइल बंद भी कर देते थे, लेकिन साइबर सेल ने अन्य राज्यों की पुलिस की मदद से उन्हें पकड़ लिया।

आम नागरिकों से अपील

रायपुर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उनका मोबाइल फोन गुम हो जाए तो तुरंत www.ceir.gov.in पोर्टल पर उसकी जानकारी दर्ज कराएं और नजदीकी थाना अथवा साइबर सेल से संपर्क करें। इससे मोबाइल का किसी अपराध में उपयोग होने से रोका जा सकता है। साथ ही मोबाइल को पासवर्ड प्रोटेक्टेड रखने की सलाह दी गई है। इसके अलावा पुलिस ने यह भी अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को कोई मोबाइल फोन लावारिस अथवा संदिग्ध हालत में मिले, तो उसे तुरंत साइबर सेल, सिविल लाइन रायपुर में जमा कराएं। ऐसा करने वाले नागरिक को रायपुर पुलिस द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा।

एसआईपी के पहले प्रोडिजी प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई अपनी दिमागी कसरत

श्रीकंचनपथ न्यूज

छत्तीसगढ़ ने की अपनी पहली एसआईपी प्रोडिजी 2025स्पर्धा की मेजबानी

रायपुर। एसआईपी (सोशेबल-इंट्रलेक्चर-प्रोग्रेसिव) अकादमी इंडिया मुख्य ब्रांच ने रायपुर में पहली बार शहर के एक रिसोर्ट में छत्तीसगढ रीजनल एसआईपी प्रोडिजी 2025 प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। इस आयोजन में छत्तीसगढ के 20 सेंटर से 6 से 15 वर्ष के 1000 बच्चों ने शिरकत की।बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिये अलग-अलग कैटगरी और प्रतिस्पर्धा मे स्मृति चिह्न भी पुरस्कार स्वरूप उन्हें मंच पर आमंत्रित कर प्रदान किये गये।इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

छत्तीसगढ़ में पहली बार एसआईपी प्रोडिजी 2025 के इस आयोजन शामिल छात्रों और उनके अभिभावकों का उत्साह देखते ही बनता था। एक ओर जहां एसआईपी प्रोडिजी 2025 में शामिल बच्चों की दिमागी परीक्षा हुई तो दूसरी ओर बच्चों की सांस्कृतिक प्रतिभा ने भी जमकर तालियां बटोरी।पूरे दिनभर चले एसआईपी प्रोडिजी 2025 में बच्चों के अभिभावक भी बच्चों का उत्साह बढाते दिखाई दिये। यह महत्वपूर्ण आयोजन कौशल-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की राज्य की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। पूरे क्षेत्र से लगभग 1,000 प्रतिभाशाली प्रतिभागी मानसिक गणित और अबेकस में अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एकत्रित हुए। इस प्रतियोगियों के मस्तिष्कों की क्षमता को चुनौती दी और उन्हें केवल 11 मिनट में 300 चुनौतीपूर्ण गणितीय समस्याओं को हल करने के लिए प्रेरित किया, जिससे उनकी गति, सटीकता और एकाग्रता की कड़ी परीक्षा हुई। छात्रों, अभिभावकों और प्रशिक्षकों ने एकाग्रता और कौशल के प्रभावशाली प्रदर्शन पर तालियाँ बजाकर माहौल को ऊर्जा से भर दिया। इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों और शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख हस्तियां भी शामिल हुई जिन्होंने प्रतिभागियों के अनुशासन, दृढ़ संकल्प और जुनून की सराहना की। यह आयोजन केवल प्रतियोगिता से आगे बढ़कर, आजीवन सीखने और आत्म-सुधार की भावना का जश्न मनाने वाला था।

इस आयोजन पर विचार करते हुए, एसआईपी अकादमी इंडिया एंड इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक, दिनेश विक्टर ने कहा: इसमें भाग लेने वाला प्रत्येक बच्चा विजेता है। हालाँकि ट्रॉफियाँ क्षणभंगुर होती हैं, लेकिन समर्पित अभ्यास से प्राप्त विकास जीवन भर बना रहता है। एसआईपी अकादमी इंडिया के बिजनेस हेड सनुईव मेनन ने कहा कि एसआईपी(सोशेबल-इंट्रलेक्चर-प्रोग्रेसिव)अकादमी का मुख्य उद्देश्य बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरते सामाजिक प्रतिभाशाली और प्रगतिवान बनाना है। उन्होने कहा कि चेन्नई में 16 नवंबर को आयोजित अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय प्रोडिजी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ रीजनल एसआईपी प्रोडिजी प्रतियोगिता के प्रतिभाशाली विजेता बच्चों को शिरकत करने का अवसर मिलेगा। श्री मेनन ने बताया कि एसआईपी अकादमी की स्थापना 1997 में मलेशिया में हुई और 2003 भारत के चेन्नई में इसके मुख्यालय की शुरुआत हुई। वर्तमान में एसआईपी के 11 देशों में सेंटर संचालित हैं भारत में 23 राज्यों में 1050 यह सेंटर चल रहे हैं। छत्तीसगढ के विभिन्न शहरों में 20 सेंटर संचालित हैं जिनमें 2000 से अधिक बच्चे अर्थ मैजिक ग्यान प्राप्त कर रहे हैं।

ब्राह्मण सभा ने तीज महोत्सव में बेटी पढ़ाओ का लिया संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरयूपारीण ब्राह्मण सभा रायपुर की महिला ईकाई के द्वारा समाज के तुलसी भवन में तीज उत्सव मनाते हुए समाज की बेटियों को उच्च शिक्षा तक शिक्षित करने का संकल्प लिया गया। सरयूपारीण महिला ब्राह्मण सभा के द्वारा प्रतिवर्षानुसार तीज महोत्सव का आयोजन जाता है जिसमें सभी महिला रानी गुलाबी कलर की साड़ी पहन एकरूपता लिए उपस्थित थीं।

इस दौरान तुलसीदास जी की पूजा अर्चना कर गायन, खेलकूद, नृत्य, फुगा फोड़ आदि से मनोरंजन कर स्वल्पाहार के साथ एक दूसरे को बधाई शुभकामनाएं दे दीर्घायु होने की कामना की गई। श्रीमती अपर्णा तिवारी शशि मिश्रा आदि ने बताया कि बेटियों को उच्च शिक्षा तक शिक्षित करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष सरयूपरिण ब्राह्मण सभा डॉ सुरेश शुक्ला ने सभी बहनों के सुखमय जीवन की कामना भगवान शिव व माता पार्वती से करते हुवे बड़ी उपस्थिति पर बधाई दे हमेशा सहयोग करने की बात कही। राजेंद्र शर्मा कोषाध्यक्ष ने ओनलाइन सदस्य बनाने का आव्हान किया।आभार प्रदर्शन श्रीमती सीमा पांडे ने किया।

कार्यक्रम में अपर्णा तिवारी, बृजेश त्रिपाठी ,कुसुम त्रिपाठी, सीमा पांडे, सुसुम शुक्ला, मीनाक्षी तिवारी, मनोज्ञा त्रिपाठी, स्नेह लता पाठक, पदमा ओझा, मीरा दुबे, किरण तिवारी, आभा द्विवेदी, कुसुम त्रिपाठी, लक्ष्मी पांडे, सुमित्रा मिश्रा, शशि मिश्रा, वंदना मिश्रा, ममता तिवारी,सविता पांडे, संगीता मिश्रा, अरुणा मिशा रंजना मिश्रा, कृष्णा पाठक,राम बुटाई त्रिपाठी, महिमा मिश्रा,सीमा मिश्रा, ममता दीदी वन्दना मिश्रा,सविता शुक्ला आदि उपस्थित थीं।

नितिन नबीन का अनुभव और कार्यशैली भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा - सांसद अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी नितिन नबीन से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने नितिन नबीन को जन्मदिन की अग्रिम बधाई देते हुए उनके दीर्घायु और राष्ट्र एवं संगठन की सेवा में निरंतर प्रगति की कामना की। जानकारी के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच पार्टी संगठन से जुड़े मुद्दों और आने वाले राजनीतिक कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि नितिन नबीन जैसे ऊर्जावान और युवा नेतृत्व से भाजपा संगठन को मजबूती मिल रही है। उन्होंने आगे कहा कि नितिन नबीन का अनुभव और कार्यशैली छत्तीसगढ़ भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा है।

वहीं, नितिन नबीन ने भी सांसद अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास से आने वाले दिनों में और मजबूत होगा। उन्होंने बताया कि पार्टी नेतृत्व केंद्र और राज्य में जनता के बीच मजबूती से अपनी नीतियां और योजनाएं पहुंचा रहा है। इस सौजन्य भेंट को राजनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि हाल ही में भाजपा संगठन ने छत्तीसगढ़ में कई नए अभियान और कार्यक्रमों की घोषणा की है। इसमें कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय करने और जनता से सीधे जुड़ने की रणनीति शामिल है। भाजपा नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात ने यह संकेत दिया कि आने वाले महीनों में संगठनात्मक गतिविधियां और तेज होंगी।

मंत्री निवास में गूंजा गणपति बप्पा मोरया का स्वर राम विचार नेताम ने किया गणेश विसर्जन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी नवा रायपुर स्थित केबिनेट मंत्री राम विचार नेताम के शासकीय आवास पर गणेश प्रतिमा विसर्जन का कार्यक्रम भावपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंत्री नेताम अपनी धर्मपत्नी पुष्पा नेताम के साथ उपस्थित रहे और विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना एवं यज्ञ कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा-पाठ के दौरान पूरे आवासीय परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। मंत्रोच्चार और भजन की धुन पर गणपति बप्पा की आराधना की गई। गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर नेताम दंपत्ति ने प्रदेश की खुशहाली और शांति के लिए प्रार्थना की।

नेताम ने कहा कि विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी सभी प्रदेशवासियों के जीवन से बाधाओं को दूर कर हर घर-परिवार में सुख, समृद्धि और मंगल का संचार करें। उन्होंने श्रद्धापूर्वक कहा कि गणपति बप्पा की कृपा से छत्तीसगढ़ की धरती पर शांति, सौहार्द और प्रगति का प्रकाश बना रहे। गणेश प्रतिमा विसर्जन के अवसर पर नेताम परिवार और कार्यकर्ताओं ने मिलकर बप्पा को विदाई दी। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने भावपूर्ण स्वर में गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस आप जल्दी आना का उद्घोष किया। वातावरण भक्तिभाव और उमंग से गूंज उठा। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिमालयन पर्वतारोहण अभियान का नेतृत्व करेंगे स्वप्निल और राहुल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एक विशेष पर्वतारोहण दल हिमालयी अभियान के लिए रवाना हुआ है। दल में शामिल जशपुर के युवा पर्वतारोही हैं रवि सिंह, तेजल भगत, रूसनाथ भगत, सचिन कुजुर और प्रतीक नायक शामिल हैं। इस अभियान का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कि आदिवासी संस्कृति और उसकी जड़ों से जुड़ाव है। जशपुर की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय परंपराओं, प्रकृति-आधारित जीवनशैली और सामुहिकता की भावना से है। हिमालय की ऊँचाइयों पर इन युवाओं का पहुँचना केवल एक खेल उपलब्धि नहीं बल्कि इस बात का प्रतीक है कि कैसे आदिवासी समाज अपनी सांस्कृतिक ताकत और प्रकृति से गहरे रिश्ते को लेकर दुनिया के सामने खड़ा हो रहा है। दल के सदस्य अपनी संस्कृति और साहस अपने साथ लिए हिमालय की ओर बढ़ रहे हैं। इस अभियान का नेतृत्व पर्वतारोही स्वप्निल राचेलवार एवं राहुल ओगरा कर रहे हैं।

यह अभियान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन ओर आशीर्वाद से संचालित हो रहा है। दल जशपुर से रांची के लिए रवाना हुआ, जहां से वे ट्रेन द्वारा दिल्ली पहुँचेंगे। दिल्ली से आगे टीम जगतसुख पहुँचेगी, जहाँ वे पर्वतारोहण की प्रक्रिया पूरी करेंगे। इसके बाद 5 सितम्बर को टीम आधार शिविर की ओर प्रस्थान करेगी। दल को विदा करने के लिए जशपुर जिला प्रशासन एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जशपुर कलेक्टर, डीएफओ, जिला पंचायत सीईओ ने टीम को शुभकामनाएँ दीं और उनके सुरक्षित एवं सफल अभियान की कामना की। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जशपुर की युवा प्रतिभाएँ इस अभियान के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने में योगदान प्रदान करेंगे। वहीं इसे जिले की उभरती खेल एवं साहसिक गतिविधियों की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। जिला पंचायत सीईओ जो स्वयं एक अनुभवी पर्वतारोही हैं, ने दल के युवाओं को पर्वतारोहण और ट्रेकिंग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने सुरक्षा उपायों, ऊँचाई पर स्वास्थ्य प्रबंधन और टीम भावना की अहमियत पर बल देते हुए युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित किया।

इस अभियान को लेकर प्रदेश के लोग उत्साहित और गर्वित हैं। साथ ही स्थानीय जय जंगल कंपनी जो इस एक्सपीडिशन के स्पान्सर में से एक है, के संस्थापक समर्थ जैन का कहना है कि यह दल पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा है और आने वाली पीढ़ियों को पर्वतारोहण तथा साहसिक खेलों की ओर अग्रसर करेगा। जगह-जगह लोग बच्चों के हौसले और साहस की चर्चा कर रहे हैं और सभी को उम्मीद है कि वे हिमालय से सफलता और गौरव की नई कहानियाँ लेकर लौटेंगे।

हिमालयन पर्वतारोहण अभियान पर निकली युवा टीम

इस पर्वतारोही दल का नेतृत्व पर्वतारोही स्वप्निल राचेलवार एवं राहुल ओगरा कर रहे हैं साथ ही इस अभियान का एक और महत्वपूर्ण संदेश है- पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति की दिशा में जागरूकता। यह पहल न केवल युवाओं को प्रकृति से जोड़ने का कार्य करेगी, बल्कि उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। हिमालय अभियान से यह संदेश भी जाएगा कि साहसिक खेलों और पर्वतारोहण के माध्यम से समाज को एक नई दिशा दी जा सकती है। इससे न केवल जशपुर बल्कि पूरे राज्य में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

मंत्री नेताम ने युवाओं से की अपील

सभी ने मंत्री नेताम और उनकी धर्मपत्नी के साथ भगवान गणेश की आराधना कर जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता की अनुभूति की। गणेशोत्सव के दौरान शासकीय आवास पर लगातार श्रद्धालुओं का आना-जाना रहा। नेताम परिवार ने प्रत्येक आगंतुक का आत्मीय स्वागत किया और प्रसाद वितरण कर गणेश भक्तों को विदा किया। इस धार्मिक अवसर पर नेताम ने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे गणेश उत्सव जैसे पर्वों को सांस्कृतिक एकता और सामाजिक सद्भाव का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि इस तरह के अवसर समाज को जोड़ने का काम करते हैं और भारतीय संस्कृति की शक्ति को दर्शाते हैं। गणेश प्रतिमा के विसर्जन के दौरान वातावरण में भावुकता और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। भक्तों ने अपने आराध्य को विदा करते हुए उन्हें अगले वर्ष पुनः शीघ्र आने का निमंत्रण दिया।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

महेश भट्ट से शादी के बाद अपनी पहचान खोने पर सोनी राजदान ने किया खुलासा, सेक्सी स्वभाव और शादी के बाद उनके ऑफर्स कैसे होते गए कम

आलिया भट्ट की माँ सोनी राजदान ने अपने पिता महेश भट्ट से तब शादी की थी जब वह अपने चरम पर थीं। लेकिन आज के उलट, वह दौर ऐसा था जब शादी के बाद महिलाओं को पीछे हटना पड़ता था। हाल ही में एक इंटरव्यू में, 'सॉन्ग्स ऑफ पैराडाइज' की अभिनेत्री ने इंडस्ट्री के सबसे सेक्सी स्वभाव और शादी के बाद उनके ऑफर्स कैसे कम होते गए, इस बारे में बात की। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनकी पहचान आज भी आलिया भट्ट की माँ या महेश भट्ट की पत्नी तक ही सीमित है।

बात करते हुए, सोनी राजदान ने खुलासा किया कि कुछ सबसे प्रशंसित फिल्मों का हिस्सा होने के बावजूद, उनकी पहचान आज भी आलिया भट्ट की माँ और महेश भट्ट की पत्नी तक ही सीमित है। उन्होंने कहा, मेरी पूरी जिंदगी, अब भी, मैं किसी और की हूँ। मैं साफ-साफ कह दूँ मेरा संघर्ष अभी भी यह जानना बाकी है कि मैं कौन हूँ। यह कहने के बाद, सोनी ने यह भी खुलासा किया कि वह अपने आस-पास के उन लोगों के लिए खुश हैं जो अपनी जिंदगी में इतना अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनका सफर ऐसा ही होना था। बीते जमाने की इस अभिनेत्री ने यह भी दावा किया कि अब उन्हें इन सब बातों पर हंसी आती है।

80 और 90 के दशक में महिलाओं के लिए इंडस्ट्री में आए बदलाव पर सोनी राजदान 80 और 90 के दशक में अभिनेत्रियों के लिए इंडस्ट्री कितनी अलग थी, इस पर चर्चा करते हुए, सोनी राजदान ने कहा कि वह इतने सालों से यहाँ हैं और इतने सालों में उन्होंने कई बदलाव देखे हैं। आज दुनिया बिल्कुल अलग सी लगती है। उन्होंने यह भी बताया कि जब उन्होंने इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब उनका प्रदर्शन बहुत अच्छा था, लेकिन फिर उनकी शादी हो गई और उसके बाद उन्हें कोई काम नहीं मिला।

उस समय की एक घटना को याद करते हुए, सोनी ने बताया कि शादी के बाद, उन्हें कहीं से यह सुझाव मिला कि अब जब वह महेश भट्ट की पत्नी हैं, तो उन्हें काम करने की क्या जरूरत है? इससे उन्हें बहुत गुस्सा आया, लेकिन उसी समय उन्हें बुनियाद मिली और कुछ अच्छी फिल्मों में काम करने का मौका मिला। लेकिन आलिया भट्ट की माँ को लगता है कि अब यह बदल गया है। सोनी इंडस्ट्री के विकास से बहुत खुश हैं, जहाँ अब महिलाओं के साथ कोई भेदभाव नहीं होता। उन्होंने कहा कि आज अभिनेत्रियाँ अपने तरीके से काम कर सकती हैं। आप जिंदगी में देरी नहीं कर सकते! हम अपनी जिंदगी में देरी इसलिए कर रहे थे क्योंकि हम काम कर रहे थे। कितनी बेतुकी बात है! एक अभिनेता, एक संगीतकार या एक रचनात्मक कलाकार होने के लिए, आपको जिंदगी जीनी होती है, और यह बहुत जरूरी है। आप कहीं किसी आलीशान इमारत में बैठकर ऐसा नहीं कर सकते। यह मुमकिन नहीं है, वह कहती हैं।

कंचना-4 में क्या भूत का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं रश्मिका मंदाना

राघव लॉरेंस अभिनीत कंचना फिल्म श्रृंखला तमिल सिनेमा की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है, जिसकी अब तक चार फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। अब, जबकि पाँचवीं किस्त पर काम चल रहा है, रिपोर्ट्स बताती हैं कि फिल्म में रश्मिका मंदाना एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। हालाँकि, इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। क्या रश्मिका मंदाना कंचना 4 में भूत का किरदार निभाएँगी? एक रिपोर्ट के अनुसार, रश्मिका मंदाना को कंचना 4 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। राघव लॉरेंस अभिनीत इस फिल्म में पुष्पा अभिनेत्री के भूत की भूमिका निभाने की उम्मीद है। हालाँकि, हॉरर कॉमेडी फिल्म श्रृंखला के निर्माताओं ने अभी तक कोई आधिकारिक अपडेट नहीं दिया है।

अगर यह रिपोर्ट सच साबित होती है, तो यह दक्षिण भारतीय सिनेमा में रश्मिका का पहला अलौकिक किरदार होगा। फिल्म की बात करें तो, कंचना 4 में कथित तौर पर अभिनेत्री पूजा हेगड़े और नोरा फतेही राघव लॉरेंस के साथ सह-कलाकार होंगी। अभिनेता द्वारा स्वयं निर्देशित यह फिल्म, मुनि (2007), कंचना (2011), कंचना 2 (2015) और कंचना 3 (2019) के बाद श्रृंखला की पाँचवीं किस्त है। हालांकि फिल्म कथित तौर पर निर्माणाधीन है, लेकिन निर्माताओं द्वारा अभी तक आधिकारिक रिलीज की तारीख की घोषणा नहीं की गई है।

ट्रेंड कर रहा ओह मामा टेटेमा, नोरा फतेही ने फैंस का किया धन्यवाद

बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन और एक्ट्रेस नोरा फतेही एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका नया म्यूजिक वीडियो ओह मामा टेटेमा रिलीज हुआ है, जो कुछ ही दिनों में सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा है। इस गाने में नोरा ने सिर्फ अपने डांस का ही जलवा नहीं दिखाया, बल्कि पहली बार उन्होंने गाने में अपनी आवाज भी दी है। उनके फैंस इस नए अंदाज को खूब पसंद कर रहे हैं। इसी बीच, नोरा ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए वीडियो में नोरा रेड क्रॉप टॉप और डेनिम शॉर्ट्स में नजर आ रही हैं। वीडियो में नोरा समुद्र किनारे सिजलिंग पोज देती दिखती हैं, और उनका ग्लैमर अंदाज साफ नजर आ रहा है। उनके एक्सप्रेशन को देख लोग उनके कायल हो रहे हैं। इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ओह मामा टेटेमा स्पॉटिफाई चार्ट पर आगे बढ़ रहा है। धन्यवाद मेरे प्यारे साथियों, स्ट्रीमिंग करते रहो और अपनी पावर दिखाओ!

इस वीडियो पर फैंस अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कोई उन्हें क्वीन कह रहा है तो कोई डांसिंग दिवा एक फैन ने कमेंट में लिखा, ओह मामा टेटेमाज मैंने 100 बार सुन लिया है। दूसरे फैन ने लिखा, आपसे नजरें हटती ही नहीं! जादू चल गया आपका। अन्य फैंस ने उनके लुक की तारीफ की और लिखा, आप रेड आउटफिट में अच्छी लगती हैं।

बता दें कि नोरा फतेही और तंजानियाई सिंगर रेवनी ने मिलकर ओह मामा टेटेमा गाना तैयार किया है। इस गाने में अफ्रीकी बीट्स और देसी म्यूजिक का बेहतरीन मेल है। गाने को बॉस्को लेस्ली मार्टिस ने डायरेक्ट और कोरियोग्राफ किया है। गाने में नोरा के एक्सप्रेशन, डांस स्टेप्स और परफॉर्मेंस ने सबको हैरान कर दिया है। खास बात यह है कि इस गाने को मशहूर सिंगर श्रेया घोषाल और नोरा ने मिलकर गाया है। गाना 10 अगस्त को यूट्यूब पर रिलीज हुआ और कुछ ही घंटों में लाखों व्यूज बटोर लिए।

इतना स्टाइल कहां से लाती हैं अक्षरा सिंह

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अदाकारा अक्षरा सिंह काफी चर्चा में रहती हैं। चाहे उनका कोई गाना रिलीज हो या फिर सोशल मीडिया पर कोई तस्वीर, फैंस की नजरें हमेशा उन पर टिकी रहती हैं। हाल ही में अक्षरा ने इंस्टाग्राम पर कुछ नई तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें उनका अंदाज थोड़ा अलग और काफी दमदार दिख रहा है।

अक्षरा सिंह की इस नई इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्हें एक बेहद स्टाइलिश अंदाज में देखा जा सकता है। उन्होंने ब्लैक कलर का फैशनेबल टॉप पहना हुआ है और ऊपर से ब्लैक कलर की ही जैकेट पहनी हुई है। इसके साथ में वे प्रिंटेड शॉर्ट स्कर्ट और स्ट्राइप्ड स्टॉकिंग्स में नजर आईं। उनके हाथ में एक ग्लास है और चेहरा बेहद शांत है, लेकिन आत्मविश्वास से भरा हुआ है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'जगुआर'।

अक्षरा सिंह की इस पोस्ट पर उनके फॉलोअर्स जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और अपने-अपने अंदाज में प्यार जता रहे हैं। कोई उनके लुक को 'फायर' बता रहा है, तो कोई उन्हें 'क्वीन' कहकर बुला रहा है। एक फैन ने लिखा, जगुआर तो आप खुद हैं। आपकी चाल में भी शेरनी वाला स्वैग है। दूसरे फैन ने लिखा, इतना स्टाइल कहां से लाती हो? हर फोटो में कमाल लगती हो। अन्य फैंस ने लिखा, आपका कॉन्फिडेंस ही आपको सबसे अलग बनाता है। बता दें कि इससे पहले उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने फैंस का धन्यवाद देते हुए कुछ तस्वीरें पोस्ट की थीं, जिसमें वह साड़ी में मंदिर परिसर में खड़ी नजर आई थीं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा था, 'जन्मदिन सफल रहा महादेव के स्पर्श से बहुत-बहुत आभार आप सबका, जिन्होंने अपना समय निकाल के मुझे याद किया और अपना प्यार दिया। आप नहीं तो मैं कुछ नहीं।'

ब्लैक लुक में एक्ट्रेस को देख फॉलोअर्स ने जमकर किया कमेंट्स

मजेदार अंदाज में कहा-सितंबर का सीधा-सादा फंडा लेकर आईं अभिनेत्री विद्या बालन

विद्या बालन सिर्फ एक बेहतरीन अदाकारा ही नहीं, बल्कि एक ऐसी शख्सियत हैं, जो अपनी दमदार सोच और बिंदास अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वह किसी तरह की बनावटी इमेज नहीं बनाती हैं, वह जैसी हैं, खुलकर वैसी ही रहती हैं। चाहे बड़े पर्दे पर गंभीर किरदार निभाना हो या सोशल मीडिया पर मस्तीभरे वीडियो बनाना हो, वह हर जगह अपनी एक खास छाप छोड़ती हैं।

सोमवार को विद्या ने एक इंस्टाग्राम वीडियो में अपने मजेदार अंदाज की झलक दिखाई, जिसमें वह फनी स्टाइल में 'सितंबर का सीधा-सादा फंडा' बताती नजर आ रही हैं। विद्या बालन ने सोमवार को एक फनी इंस्टाग्राम रील पोस्ट की, जिसमें उन्होंने सितंबर के लिए अपना 'सादा लेकिन मजेदार फंडा' बताया। इस वीडियो में विद्या एक वायरल ऑडियो पर लिपसिंक करती नजर आती हैं, जिसमें एक आदमी मजाकिया लहजे में सुबह-सुबह घूमने की सलाह देने वालों को जवाब देता है।

ऑडियो में वह कहता है, ये जो लोग ज्ञान देते हैं ना, सुबह-सुबह घूमने जाया करो, धरती घूम रही है ना, मेरा भी घूमने जाना जरूरी है? चक्कर नहीं आ जाएगा मेरे को? विद्या इस पर ऐसे एक्सप्रेशन देती हैं कि देखने वाला अपनी हंसी रोक ही नहीं सकता। उनका चेहरा, उनकी आंखें, और उनका बोलने का तरीका सबकुछ वीडियो को और भी मजेदार बना रहा है।

लुक की बात करें तो विद्या ने वीडियो में एक बेहद खूबसूरत लाल साड़ी पहनी है, जिसका बॉर्डर गोल्डन लेस से भरा हुआ है। इसके साथ उन्होंने स्टाइलिश ब्लाउज पहना हुआ है। बालों की पोनीटेल, कानों में बड़े-बड़े ईयररिंग्स, हाथों में ढेर सारे कंगन और माथे पर सजी बिंदी उनके लुक को ट्रेडिशनल के साथ-साथ काफी स्टाइलिश बना रही है। मेकअप भी बिल्कुल हल्का और नेचुरल रखा गया है, जो उनकी मुस्कुराहट को और निखार देता है। इस फनी रील को पोस्ट करते हुए विद्या ने कैप्शन में लिखा, सितंबर के सीधे-सादे फंडे इसके आगे उन्होंने हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए सितंबर सॉल्यूशन लिखा। इस वीडियो को देख फैंस काफी एंटरटेन हो रहे हैं और कमेंट्स भी कर रहे हैं।

मेकअप करते समय न करें ये 5 गलतियां, बिगड़ सकता है लुक

हर कोई खास दिखना चाहता है, लेकिन कई बार छोटी-छोटी गलतियों के कारण हमारा लुक बिगड़ जाता है, खासकर जब बात मेकअप की हो तो इन गलतियों का असर तुरंत नजर आता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताएंगे, जिनसे आपको हमेशा बचना चाहिए ताकि आपका त्योहारों पर बना लुक बेहतरीन और आकर्षक दिखे। इन गलतियों को न दोहराकर आप अपने त्योहारों को और भी खास बना सकते हैं।

गलत रंग का फाउंडेशन लगाना

फाउंडेशन चेहरे के रंग को समान करने में मदद करता है इसलिए इसका चयन सही होना चाहिए। कई बार महिलाएं अपने चेहरे से अलग रंग का फाउंडेशन लगा लेती हैं, जिससे उनका चेहरा अस्वस्थ नजर आता है। हमेशा अपने त्वचा के रंग के अनुसार फाउंडेशन चुनें और उसे अच्छी तरह से मिलाएं ताकि आपका चेहरा प्राकृतिक और स्वस्थ दिखे। इसके लिए आप अपने हाथ पर थोड़ा सा फाउंडेशन लगाकर देख सकती हैं कि कौन सा रंग सही लगता है।

ज्यादा कंसीलर का उपयोग करना

कंसीलर आंखों के नीचे के काले घेरे और अन्य निशानों को छिपाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन अगर आप इसे ज्यादा मात्रा में लगाती हैं तो यह आपके चेहरे को अजीब सा दिखा सकता है। ज्यादा कंसीलर लगाने से आपकी आंखें भारी और अस्वस्थ नजर आती हैं। इसलिए हमेशा थोड़ी मात्रा में ही कंसीलर लगाएं और उसे अच्छी तरह से मिलाएं ताकि आपका चेहरा प्राकृतिक और सुंदर दिखे।

आंखों का मेकअप ज्यादा न करें

आंखों का मेकअप करते समय संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी है। अगर आप बहुत ज्यादा आईलाइनर या मस्कारा लगाती हैं तो आपका लुक बहुत भारी और बनावटी लग सकता है।

त्योहारों पर एक हल्का और सुंदर आंखों का मेकअप करें जिसमें हल्का आईलाइनर, मस्कारा और थोड़ा-सा आईशैडो लगे। इससे आपकी आंखें खूबसूरत दिखेंगी और आपका चेहरा भी निखरेगा। इसके लिए आप हल्के रंगों का इस्तेमाल कर सकती हैं, जो आपके चेहरे को प्राकृतिक और आकर्षक बनाएगा।

लिपस्टिक का चयन सही न होना

लिपस्टिक का रंग आपके पूरे लुक को प्रभावित करता है, इसलिए इसका चयन सोच-समझकर करें। त्योहारों पर गहरी लाल या गुलाबी लिपस्टिक बहुत अच्छी लगती है, लेकिन ध्यान रखें कि लिपस्टिक आपके चेहरे के रंग से मेल खाती हो। अगर आपकी त्वचा गोरी है तो गहरे रंग चुनें और अगर आपकी त्वचा गहरी है तो हल्के रंग जैसे हल्का गुलाबी या न्यूड चुनें। इसके अलावा लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को साफ करें और लिपबाम लगाएं।

सैनिक स्कूल शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की नींवः मंत्री रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सैनिक स्कूल अम्बिकापुर का 17वां स्थापना दिवस समारोह गरिमामय वातावरण में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह अवसर न केवल संस्थान की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक गरिमा, सैन्य अनुशासन और शैक्षणिक उत्कृष्टता का जीवंत प्रतीक भी बना। समारोह के मुख्य अतिथि जनजातीय कल्याण एवं कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने विद्यालय से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि यह संस्थान न केवल अनुशासन और शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की नींव भी है।

उन्होंने कैडेट्स को देशभक्ति, समर्पण और नेतृत्व के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की ओर से सैनिक स्कूल के लिए तीन योजनाओं- विद्यालय परिसर में सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना, आधुनिक इनडोर एरेना का निर्माण तथा हॉकी में कैडेट्स की प्रतिभा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निखारने हेतु एस्ट्रोटर्फ मैदान के निर्माण का आश्वासन दिया है। कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल तथा सासंद श्री चिंतामणि महाराज ने भी अपने संबोधन में विद्यालय की भूमिका को सराहा और इसके कैडेटों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक राम कुमार टोप्पो और अम्बिकापुर मेयर मंजूषा भगत, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा नेताम कलेक्टर विलास भोसकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

समारोह में प्राचार्या कर्नल रीमा सोबती ने स्कूल के उप प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ पी श्रीनिवास एवं प्रशासनिक अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर जेम्स नायर की उपस्थिति में अपने स्वागत भाषण में विद्यालय की वर्ष भर की उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने शैक्षणिक, सहशैक्षणिक, खेलकूद और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में कैडेट्स की भागीदारी और सफलता को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि सैनिक स्कूल अम्बिकापुर के पूर्व कैडेट खिलानंद साहू और अनिमेष कुजूर, सैनिक स्कूल और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर रहे हैं।

इस ऐतिहासिक दिन पर, सैनिक स्कूल अंबिकापुर के 17वें स्थापना दिवस और छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती का संयुक्त उत्सव एक अद्वितीय सांस्कृतिक और भावनात्मक संगम बन गया। जहाँ राज्य की गौरवशाली यात्रा और सैनिक स्कूल की अनुशासित शैक्षणिक परंपरा एक साथ मंच पर आलोकित हुईं। यह अवसर न केवल अतीत की उपलब्धियों को स्मरण करने का था, बल्कि भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देने वाला एक सशक्त संदेश भी था, कि शिक्षा, संस्कृति और सेवा भाव जब एकत्रित होते हैं, तो राष्ट्र निर्माण की नींव और भी मजबूत होती है।

इस अवसर पर सैनिक स्कूल के कैडेटों ने एक शानदार रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने देशभक्ति गीत, छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य, मूक अभिनय और सबसे बढ़कर महाभारत की नाट्य गीत प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। किड्स अम्बिकन प्राइमरी स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा प्रस्तुत नृत्य इस कार्यक्रम का एक अन्य आकर्षण रहा। इस मौके पर विभिन्न सदनों को उनकी वार्षिक उपलब्धियों के आधार पर सम्मानित किया गया। मानेकशा सदन को खेलों में सर्वश्रेष्ठ सदन का पुरस्कार प्राप्त हुआ, जबकि अरिहंत सदन को सर्वश्रेष्ठ कनिष्ठ सदन के रूप में सम्मानित किया गया। अर्जन सिंह सदन को शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ सदन घोषित किया गया। अर्जन सिंह सदन ने प्रतिष्ठित एनडीए ट्रॉफी भी अपने नाम की, जो राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में चयन हेतु सर्वाधिक कैडेट्स भेजने वाले सदन को प्रदान की जाती है। मुख्य अतिथि कृषि मंत्री नेताम के हाथों अर्जन सिंह सदन के हाउस मास्टर शशिकांत ने सर्वश्रेष्ठ सदन की ट्रॉफी प्राप्त की।

रक्तदान एक महान और जीवनदायी कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी शाखा द्वारा जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर दीपक सोनी ने इस शिविर में पहुंचकर रक्तदान किया। रक्तदान उपरांत इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया। कलेक्टर श्री सोनी ने रक्तदान को महादान बातते हुए लोगों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया।

रक्तदान एक महान और जीवनदायी कार्य है, जो जरूरतमंदों की जान बचाता है और उन्हें नया जीवन देता है। यह एक पुनीत कार्य है जो समाज में करुणा और सेवा की भावना पैदा करता है। रक्तदान सुरक्षित और सरल होता है। आपका रक्त किसी को जीवन दे सकता है। रक्त अमूल्य है इसका दान अवश्य करें। रक्तदान तब होता है जब एक स्वस्थ व्यक्ति स्वेच्छा से अपना रक्त देता है और उस रक्त का उपयोग दूसरे व्यक्ति के लिए होता है। रक्त को किसी कंपनी में नहीं बनाया जा सकता। मानव शरीर ही रक्त बनाने की कंपनी है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि रक्तदान शिविर में कुल 16 यूनिट रक्त दान से प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि 18 से 65 वर्ष का व्यक्ति जिसका वजन 45 किलोग्राम तथा हीमोग्लोबिन 12.5 है, वह रक्तदान कर सकता है।

एक बार मे 350 मिली रक्त ही निकाला जाता है। एक व्यक्ति साल में 4 बार रक्तदान कर सकता है, इससे किसी प्रकार की कोई कमज़ोरी नहीं आती है। इस दौरान सीएमएचओ, सिविल सर्जन सहित अन्य अधिकारी -कर्मचारी मौजूद थे।

बालिका सुरक्षा माह के अंतर्गत चलाया जा रहा है जागरूकता कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तसीगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव द्वारा राज्य में 19 अगस्त से 15 सितम्बर तक बालिका सुरक्षा माह मनाने के निर्देश सभी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को दिए हैं। सचिव महिला एवं बाल विकास के निर्देशों के परिपालन में सूरजपुर जिले के शासकीय हायर सेकेण्डरी विद्यालय में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा बालिका सुरक्षा माह के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

बालिका सुरक्षा माह के अन्तर्गत विकासखण्ड सूरजपुर के ग्राम पंचायतों में बाल अपराध बाल अधिकार, बाल संरक्षण, बाल विवाह, बाल श्रम, भ्रुण हत्या, लैंगिक अपराध एवं बालिकाओं के लिंगानुपात, गुड टच बैड टच. मानव तस्करी, सोशल मीडिया मोबाइल से दूरी के के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। बालिका सुरक्षा माह का प्रारंभ में विकासखण्ड सूरजपुर के शासकीय हायर सेकेण्डरी विद्यालय केतका से की गई, जिसमें जिला बाल संरक्षण अधिकारी के द्वारा बालिकाओं को लैंगिक अपराधों से बालिका का संरक्षण अधिनियम 2012 (पॉक्सो एक्ट) के बारे में जानकारी प्रदान की गई। बालिका सुरक्षा माह का उद्देश्य 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यौन उत्पीड़न, यौन शोषण और अश्लील सामग्री के दुरुपयोग से बचाना है। यह अधिनियम बच्चे के यौन अपराधों को परिभाषित करता है ऐसे अपराधी के लिए दण्ड का प्रावधान है और मामले की त्वरित निपटान के लिए विशेष न्यायालयों की स्थापना करता है। लडका एवं लडकी दोनों बच्चों की सुरक्षा करना है, बालिका को घुरना, पीछा करना, रास्ता रोकना, गलत इरादे से बात करना एवं गुड टच बैड टच भी अपराध की श्रेणी में आता है। यदि किसी व्यक्ति द्वारा बालिका को बहला कर प्रेम जाल में फंसा कर या डरा धमका कर उसका लैंगिक शोषण किया जाता है या शोषण करने के लिए उकसाया जाता है और बार-बार लैंगिक शोषण करता है तो बालिका को उसके खिलाफ जाकर विश्वास पात्र व्यक्ति को बताना चाहिए। जैसे कि स्कूल में अपने शिक्षक को या फिर अपने परिवार में जो उनके सबसे करीब होते हैं उनको इस अपराध के बारे में जानकारी देनी चाहिए, जिससे कि उस अपराधी व्यक्ति पर तत्काल कार्यवाही की जा सके। लैंगिक शोषण की घटना को बालिका जिसको बताती है, चाहे वह कोई भी व्यक्ति हो वह बालिका का सहयोग नहीं करता है और उस अपराधी व्यक्ति के खिलाफ अपराध कायम नहीं कराता है तो उस व्यक्ति पर भी इस एक्ट के तहत कार्यवाही की जाती है।

किसी बालिका के साथ लैंगिक शोषण की हो रही ऐसी घटना को छुपाना अपराध की श्रेणी में आता है। कुछ बालिकाएं तो समाज व परिवार के डर से अपने साथ हो रही लैंगिक शोषण की घटना का जिक्र नहीं करती चुपचाप इस अपराध को सहती रहती है और गर्भवती हो जाती है। कुछ बालिकाएं समाज एवं परिवार के डर से गर्भनिरोधक दवाओं का सेवन कर लेती हैं, जिससे उनकी जान को खतरा हो जाता है और उनकी स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ जाता है जो कि काफी घातक हो जाता है एवं कुछ बिना विवाह के भी कम उम्र में मां बन जाती है। इनमें से कुछ तो नवजात शिशु को मार देते है या फेंक देते हैं नवाजात शिशु को मारना या फेकना भी अपराध की श्रेणी में आता है ऐसे शिशु को वह अस्पतालों के पालना केन्द्र में डाल सकती है या बच्चे को बाल कल्याण समिति सूरजपुर के समक्ष अभ्यर्पित कर सकती हैं इनमे से जो नाबालिक बालिका होती हैं उनकी पहचान गोपनीय रखी जाती है। किसी भी बालिका को ऐसी परिस्थिति का सामना न करना पड़े उसके लिए खुद उनको अपनी सुरक्षा के लिए जागरूक होना पड़ेगा एवं शुरूआत में भी अपने खिलाफ हो रहे हैं अपराध को आगे आकर बताना होगा तब कही यह अपराध रूकेगा। ऐसे अपराधो की जानकारी टॉल फ्री चाईल्ड हेल्प लाईन नंबर 1098 महिला हेल्पलाइन नंबर 181, एमरजेन्सी नंबर 118 में सूचना कर सकती है। इस एक्ट में दोषी पाए जाने पर व्यक्ति को 3 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है।

धमतरी की स्वर्णिम कृषि यात्रा आत्मनिर्भरता और समृद्धि के 25 वर्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के मध्य में बसा धमतरी जिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उपजाऊ भूमि के लिए जाना जाता है। 06 जुलाई 1998 को रायपुर और महासमुंद जिलों से विभाजित होकर स्थापित धमतरी ने पिछले 25 वर्षों में अपने आत्मनिर्भरता और समृद्धि में उल्लेखनीय प्रगति की हैं। जिले के किसानों ने परंपरागत खेती से आगे बढ़कर आधुनिक तकनीक, सिंचाई सुविधाओं और शासन की योजनाओं का लाभ उठाया हैं। परिणामस्वरूप उत्पादन, क्षेत्रफल और किसानों की आय में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, जो जिले की कृषि क्षमता और मेहनतकश किसानों की जीवंत गाथा को दर्शाती है।

इस जिले का प्रमुख खरीफ फसल धान रही है। वर्ष 2000 में खरीफ का क्षेत्रफल 1,37,575 हेक्टेयर था, जो 2025 में लगभग स्थिर रहते हुए 1,35,886 हेक्टेयर रहा। इसके विपरीत रबी फसलों का क्षेत्र 40,930 हेक्टेयर से बढ़कर 60,620 हेक्टेयर हो गया, जो 48.11 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यह प्रगति आधुनिक सिंचाई साधनों और किसानों की नई सोच का परिणाम है।

दलहन और तिलहन उत्पादन में भी जिले ने ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल कीं। रबी दलहन का क्षेत्र 10,570 हेक्टेयर से बढ़कर 32,290 हेक्टेयर तक पहुँचा, जिसमें 205.49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसी प्रकार रबी तिलहन में 498.04 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि हुई। यह परिवर्तन जिले को खाद्यान्न एवं तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रहा है।

सिंचाई विस्तार कृषि उन्नति का आधार बना। खरीफ का सिंचित क्षेत्र 87,390 हेक्टेयर से बढ़कर 1,20,026 हेक्टेयर हुआ, वहीं रबी में 32,500 हेक्टेयर से बढ़कर 74,490 हेक्टेयर तक पहुँचा, जो 129.20 प्रतिशत की वृद्धि है। इससे रबी फसलों की उत्पादकता और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। बीज और उर्वरक वितरण व्यवस्था भी सुदृढ़ हुई है। वर्ष 2025 में 60,895 क्विंटल बीज और 26,950 टन उर्वरक वितरित किए गए।

फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ में 10,864.4 हेक्टेयर और रबी में 5,445 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया, जिससे किसानों को जोखिम प्रबंधन का मजबूत साधन मिला।

जैविक खेती में भी अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई है। खरीफ में जैविक क्षेत्र 1,180 हेक्टेयर से बढ़कर 1,680 हेक्टेयर और रबी में 100 हेक्टेयर से बढ़कर 250 हेक्टेयर हो गया। यह बदलाव पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि की दिशा में किसानों की जागरूकता को दर्शाता है।

बालको फोटोग्राफी प्रदर्शनी 'मल्हार 3.0' हुआ संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा-बालकोनगर। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड ने विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर 'मल्हार 3.0' फोटोग्राफी प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का आयोजन किया। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बालको के प्रतिभाशाली कर्मचारियों द्वारा खींची गई बेहतरीन तस्वीरों को प्रदर्शित किया गया। आगंतुकों ने प्राकृतिक सौंदर्य और जीवन के विविध रंगों को दर्शाती तस्वीरों की सराहना की।

दो दिवसीय कार्यक्रम 'मल्हार 3.0' में 'आर्कियोलॉजिकल वंडर्स', 'नेचुरल स्केप्स' और 'कल्चर केलिडोस्कोप' प्रतियोगी थीम पर आधारित मनमोहक छायाचित्र प्रदर्शित किए गए। प्रदर्शनी में कंपनी के विरासत तथा सामुदायिक विकास यात्रा को फोटो के माध्यम से दिखाया गया। दो जजों के पैनल ने तीनों वर्ग में एक-एक विजेता का चुनाव किया। जज पैनल में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ फोटोग्राफर गोकुल सोनी तथा दिल्ली से आएं युवा फोटोग्राफर बिबेक चेत्री शामिल थे। बालको टाउनशिप में आयोजित हुए कार्यक्रम में 'सेल्फी कॉर्नर' के साथ-साथ आगंतुकों के लिए एक आकर्षक कॉर्नर तैयार किया गया जिसमें विंटेज क्लासिक्स कैमरों से लेकर अत्याधुनिक डिजिटल मॉडल के कैमरों को प्रदर्शनी शामिल की गई थी। दर्शकों को फोटोग्राफी उपकरण विस्तरित जानकारी दी गई। कर्मचारी एवं उनके परिवारजन तथा स्कूल के छात्रों सहित आगंतुकों के लिए खुली यह प्रदर्शनी दर्शकों के लिए अविस्मरणीय आनंददायक अनुभव रहा। कार्यक्रम की सराहना करते हुए बालको के सीईओ एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि फोटोग्राफी हमें यह सिखाती है कि सुंदरता हर छोटे से छोटे दृश्य और क्षण में छिपी होती है। 'मल्हार 3.0' के माध्यम से कर्मचारियों के भीतर छिपी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति को सामने लाने का एक सशक्त मंच मिला। ऐसे आयोजन यह साबित करते हैं कि तकनीकी दक्षता और कलात्मक दृष्टिकोण मिलकर किसी भी संगठन को नई दिशा दे सकते हैं।

दरिमा में 35 ग्रामीणों ने सीखा राजमिस्त्री एवं रानी मिस्त्री का हुनर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में सरगुजा जिला प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। अंबिकापुर के दरिमा ग्राम पंचायत में जिला प्रशासन एवं सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के संयुक्त तत्वावधान में 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस प्रशिक्षण में 16 महिलाओं को रानी मिस्त्री तथा 19 पुरुषों को राजमिस्त्री का कौशल सिखाया गया। कुल 35 प्रतिभागियों ने व्यावहारिक एवं तकनीकी ज्ञान अर्जित किया।

प्रशिक्षण सत्र के समापन समारोह में कलेक्टर विलास भोसकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार, अग्रणी बैंक प्रबंधक विकास यादव, सेंट्रल बैंक के रिजनल हेड रणधीर सिंह, आरसेटी डायरेक्टर श्याम किशोर गुप्ता, जनपद पंचायत सीईओ राजेश सेंगर, साक्षर भारत जिला परियोजना अधिकारी गिरीश गुप्ता एवं प्रशिक्षण समन्वयक तमना निशा भी उपस्थित रहीं।

कलेक्टर भोसकर ने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव और सीखी गई तकनीकों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि व्यावहारिक प्रशिक्षण से कार्यकुशलता में निखार आता है। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है। काम की गुणवत्ता में सुधार होता है और गति भी बढ़ती है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पंचायतों में सर्वाधिक आवास स्वीकृत हुए हैं, जिन्हें समय पर पूर्ण करना अब आपकी जिम्मेदारी है। यह प्रशिक्षण आपको केवल श्रमिक नहीं, बल्कि कुशल मिस्त्री बनाता है। इससे गांव में पर्याप्त कार्य एवं सम्मानजनक आय का अवसर प्राप्त होगा।

प्रशिक्षणार्थियों ने बताया कि पहले वे सामान्य मजदूरी करते थे, किंतु प्रशिक्षण के बाद नाप-जोख, ईंट चिनाई, प्लास्टरिंग, लेवलिंग, लेआउट तथा भवन निर्माण की नई तकनीकों में दक्षता हासिल की है। अब वे आत्मविश्वास के साथ स्वयं को कुशल राजमिस्त्री के रूप में पहचान सकते हैं। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को भवन निर्माण कार्य हेतु आवश्यक टूल किट भी वितरित किए गए।

ग्रामीण अब अपने अर्जित कौशल का उपयोग स्थानीय स्तर पर निर्माण कार्यों में करेंगे, जिससे उन्हें रोजगार उपलब्ध होगा और गांव की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। जिला प्रशासन की यह पहल ग्रामीणों को आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

निर्माण विभागों के कार्यपालन अभियंताओं को चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) आर. पुराम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य के निर्माण विभागों के सभी संभागों के कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर लंबित निरीक्षण प्रतिवेदनों के निराकरण की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा की गई। बड़ी संख्या में लंबित निरीक्षण प्रतिवेदन के मद्देनजर उन्होंने सभी कार्यपालन अभियंताओं को इसके निराकरण के लिए एक सप्ताह की मोहलत देते हुए कहा कि इसमें चूक करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई के लिए नामजद प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा जाएगा।

बैठक में पुराम ने 30 जून 2025 की स्थिति में लोक निर्माण विभाग से संबंधित 493, जल संसाधन के 308, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के 203, नगरीय प्रशासन एवं विकास के 11, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क एवं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के 73, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड और छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज के 86 लंबित निरीक्षण प्रतिवेदनों की संभागवार समीक्षा की और संबंधित कार्यपालन अभियंताओं को तत्परता से इसका परीक्षण कर उत्तर भिजवाने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा मुख्य तकनीकी परीक्षक के कार्यों के त्रैमासिक प्रगति की समीक्षा की जाती है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

महिला ने फांसी लगाकर दी जान, आरोपी पति गिरफ्तार

रायपुर। कोटा कालोनी में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसमें जांच के दौरान सरस्वती नगर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार कोटा निवासी मृतिका सरस्वती निर्मलकर 30 वर्ष अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसमें पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी पति देवानंद निर्मलकर 30 वर्ष दहेज में मोटरसाइकिल की मांग कर अपनी पत्नी को प्रताड़ित करती थी। जिससे तंग आकर सरस्वती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लिया है।

सूने मकान से नकदी सहित सोने-चांदी के जेवर पार

रायपुर। सुंदरम विहार रायपुरा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर सहित नकदी रकम पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अमित सोनी 28 वर्ष श्रद्धा चौक चंगोराभाठा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि उसके बड़े भाई सुनीत कुमार सोनी का मकान सुंदरम विहार रायपुरा में रहता है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर सहित नकदी रकम पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 80 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाईः ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर 46 चालकों के लाइसेंस निलंबित

सूरजपुर। परिवहन एवं यातायात विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन करने वाले चालकों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। विभाग द्वारा वर्ष 2025 में अब तक कुल 78 प्रकरणों में ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की अनुशंसा जिला परिवहन कार्यालय को प्राप्त हुई है। शराब पीकर वाहन चलाना, तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक ड्राइविंग, मालवाहक वाहनों में सवारी ढोना, सिग्नल जंप करना सहित मोटरयान अधिनियम की अन्य धाराओं का उल्लंघन शामिल है। जिला परिवहन कार्यालय द्वारा प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 46 लाइसेंस धारकों के ड्राइविंग लाइसेंस को तीन-तीन माह के लिए निलंबित किया गया है। 08 प्रकरणों को संबंधित परिवहन कार्यालयों में अग्रेषित कर दिया गया है। शेष 24 प्रकरणों में चालकों को स्पष्टीकरण हेतु नोटिस जारी किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि संबंधित वाहन चालक निर्धारित तिथि तक संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध लाइसेंस निलंबन की अंतिम कार्रवाई की जाएगी।

कारखानों में श्रमिकों के नियमित स्वास्थ्य जांच में नहीं चलेगी मनमानी, श्रम मंत्री देवांगन ने दिए कड़े निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन में श्रम विभाग के विभागीय कामकाज की समीक्षा की। बैठक में मंत्री देवांगन ने निजी उद्योगों द्वारा कराए जाने वाले श्रमिकों के स्वास्थ्य जांच की गहन समीक्षा की। जोखिम वाले (खतरनाक) 913 कारखानों में मात्र 682 ने ही श्रमिकों की चिकित्सा रिपोर्ट अपलोड की गई, शेष की रिपोर्ट अपलोड नहीं करने और जिनके द्वारा किये गए है उनके द्वारा बरती जा रही खानापूर्ति को लेकर मंत्री ने नाराजगी जाहिर करते हुए निर्देश दिए।

उन्होने कहा कि श्रमिकों के स्वास्थ जांच में किसी तरह की मनमानी न हो इसके लिए फील्ड पर विभागीय अधिकारी स्वास्थ्य जांच पर नियमित निगरानी रखे। उन्होंने जोखिम कारखानों का विभागीय अधिकारियों द्वारा निरिक्षण के बाद पाई गई कमियों के निराकरण के सम्बन्ध में 929 कारखानो में 222 में पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं करने को लेकर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। बैठक में श्रम विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता, संयुक्त सचिव फरिहा आलम, उप सचिव अंकिता गर्ग, श्रम विभाग अपर आयुक्त सविता मिश्रा, एस.एल.जांगड़े, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के सचिव गिरीश रामटेके सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री देवांगन ने बैठक में संगठित, असंगठित और श्रम कल्याण मण्डल की सभी श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं, स्वास्थ्य सुरक्षा विभाग, ईएसआईसी विभाग की समीक्षा की। आवास योजना की राशि को एक लाख से बढ़ाकर डेढ़ लाख प्रति हितग्राही करने आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए । मंत्री श्री देवांगन ने श्रमिकों को मिलने वाली सभी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होने कई जिलों के कम परफॉरमेंस वाले श्रम अधिकारी को कड़े निर्देश दिए गए। साथ ही योजनाओं का अधिक से अधिक श्रमिकों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए।

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा है कि श्रम विभाग द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ श्रमिकों को मिले इस दिशा में अधिकारी मुस्तैदी से कार्य करें। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों श्रमवीर स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित कर श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के निर्देश दिए। प्रदेश में लगभग 30 लाख 69 हजार पंजीकृत श्रमिक है। इसमें से 11 लाख श्रमिकों द्वारा 5 साल बाद नवीनीकरण नहीं कराया गया है। केबिनेट मंत्री ने श्रमिकों का दोबारा पंजीयन कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। विभागीय अधिकारी श्रमिकों के बीच इसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। उन्होंने विभाग के अधीन संचालित मंडलों द्वारा किये जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा की।

श्री देवांगन ने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना का विस्तार प्रदेश के सभी जिलों में करने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।

श्रम मंत्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए लगातार आर्थिक मदद दी जा रही है। श्रम विभाग के तीनों मंडल - छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल, छ.ग. असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल एवं छ.ग. श्रम कल्याण मंडल के माध्यम से योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है।

श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रदेश में विष्णु देव सरकार के सुशासन में अब मजदूर का बच्चा मजदूर नहीं रहेगा। श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के हितों में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है।

इनमें प्रमुख रूप से अटल उत्कृष्ट योजना , मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मिनीमाता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार किट योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन योजना, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु नि:शुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशि योजना, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना, शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना संचालित की जा रही है।

बालोद जिले के 2 कृषि केन्द्रों में उर्वरक विक्रय प्रतिबंधित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उर्वरक वितरण में अनियमितता पाए जाने पर कृषि विभाग की टीम द्वारा बालोद विकासखण्ड के मेसर्स सार्थक कृषि केन्द्र, बालोद तथा गुरूर विकासखण्ड के मेसर्स हर्ष कृषि केन्द्र, पलारी में उर्वरक विक्रय पर प्रतिबंध लगाए जाने की कार्यवाही की गई है।

इस संबंध में दोनों प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं उप संचालक कृषि के निर्देशन में जिले में उर्वरक प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। 28 अगस्त 2025 को अनुविभागीय कृषि अधिकारी महेश कुमार, सहायक संचालक कृषि जे.आर. नेताम, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी केशव राम पिस्दा, कृषि विकास अधिकारी टिकेन्द्र कुमार पटेल (गुरूर) एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी संनत कुमार भेड़िया द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान वहां अनियमितता का मामला पकड़ में आया जिसके फलस्वरूप उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 तथा उर्वरक (संचालन नियंत्रण) आदेश 1973 में निहित प्रावधानों के तहत यह कार्यवाही की गई।

उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में गुणवत्ता नियंत्रण अंतर्गत उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग की जा रही है। अनियमितता पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

किसान की जाली तार चोरी करने वाले चार चोर चढ़े तिल्दा पुलिस के हत्थे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। थाना तिल्दा नेवरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खेत से लोहे की जाली तार चोरी करने वाले चार आरोपियों को महज कुछ घंटों में गिरफ्तार कर लिया है।

मामला प्रार्थी गजाधर साहू निवासी सरोरा का है, जिन्होंने अपनी कृषि भूमि में नीलगिरी के पौधों की सुरक्षा हेतु चार बंडल लोहे की जाली तार से खेत का घेरा बनाया था। 28 अगस्त 2025 को उन्होंने देखा कि उसमें से दो बंडल जाली तार गायब थे। इस पर प्रार्थी द्वारा अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल विवेचना प्रारंभ की और मुखबिर की सूचना पर गांव सरोरा के चार आरोपियों - ईश्वर रात्रे उर्फ तोतरा (24 वर्ष), भगवती चेलक उर्फ राजू (39 वर्ष), गोपी बघेल (30 वर्ष) और शिवकुमार टंडन उर्फ धन्नू (32 वर्ष) को हिरासत में लिया। सभी आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

ड्रग्स तस्करों का अंतर्राज्यीय नेटवर्क ध्वस्त, अब तक दो दर्जन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की अगुवाई में टिकरापारा, कबीर नगर और गंज थाने की संयुक्त कार्रवाई में पंजाब के बड़े सप्लायरों और स्थानीय नेटवर्क के दर्जनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने करोड़ों रुपए कीमत की हेरोइन (चिट्टा), एमडीएमए ड्रग्स, अफीम, हथियार, कार, मोटरसाइकिल और बड़ी संख्या में मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह नेटवर्क पाकिस्तान से होकर पंजाब के रास्ते रायपुर तक सक्रिय था।

बता दें कि टिकरापारा थाना में दर्ज अपराध क्रमांक 600/25 धारा 21सी, 29 नारकोटिक एक्ट के तहत पुलिस ने 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से करीब 1 करोड़ रुपए कीमत की 412.87 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), कई मोबाइल फोन, क्रेटा कार (सीजी/04/क्यूएच/7491), तौल मशीन, सिल्वर रोल पेपर, जली हुई नोट, एटीएम कार्ड और चेकबुक जब्त किए गए। जांच के दौरान सामने आया कि इस नेटवर्क का संचालन पंजाब निवासी लवजीत सिंह कर रहा था, जिसे हेरोइन सप्लाई करने वाले मुख्य आरोपी चरणजीत सिंह उर्फ चांद और गुरजीत सिंह उर्फ गुरुजी (दोनों निवासी अमृतसर, पंजाब) थे। पुलिस ने दोनों को पंजाब से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर रायपुर लाया है।

इसी तरह थाना कबीर नगर में दर्ज अपराध क्रमांक 190/25 धारा 21सी, 21बी, 29 नारकोटिक एक्ट और 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। एंटी क्राइम और थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 91 ग्राम अफीम, 87 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), 1 कंट्री मेड पिस्टल, 82 जिंदा कारतूस और घटना में प्रयुक्त 4 मोबाइल फोन जब्त किए गए। जब्त सामग्री की कीमत लगभग 35 लाख रुपए आंकी गई है। इस मामले में मुख्य आरोपी रूपिंदर सिंह उर्फ पिंडर उर्फ पाबलो को सप्लाई करने वाले आरोपी अमृतसर जिले के मलियान गांव के रहने वाले जशनदीप सिंह उर्फ लव को गिरफ्तार किया गया है।

इसके अलावा थाना गंज क्षेत्र में दर्ज अपराध क्रमांक 222/25 धारा 21सी, 29 नारकोटिक एक्ट में 23 अगस्त को एंटी क्राइम यूनिट और गंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने देवेंद्र नगर ओवर ब्रिज के नीचे रेलवे स्टेशन के पास एक सोनेट कार (सीजी 04 क्यूजे 5466) से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 27.58 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स, नगदी 85,300 रुपए, और 5 मोबाइल फोन जब्त किए गए। जब्त सामग्री की कीमत लगभग 20 लाख रुपए बताई जा रही है। जांच में आरोपी अयान परवेज (निवासी यश विहार, मोती नगर, टिकरापारा, रायपुर) का नाम सामने आया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर उससे घटना से संबंधित मोबाइल फोन भी जब्त किया। पुलिस अधिकारियों का बयान पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा और एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि रायपुर पुलिस लगातार ड्रग्स माफ्रियाओं के खिलाफ अभियान चला रही है। उनका स्पष्ट निर्देश है कि सप्लायरों और स्थानीय नेटवर्क के गठजोड़ को तोड़ा जाए, ताकि युवाओं तक नशा पहुंच ही न सके। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में बड़ी सफलता है।

मामले में पुलिस ने चरणजीत सिंह उर्फ चांद निवासी दशमेश नगर, अमृतसर (पंजाब), गुरजीत सिंह उर्फ गुरुजी निवासी दशमेश नगर, अमृतसर (पंजाब), जशनदीप सिंह उर्फ लव निवासी ग्राम मलियान, अमृतसर (पंजाब), अयान परवेज निवासी यश विहार, मोती नगर, रायपुर के साथ स्थानीय स्तर पर 22 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

000

नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर रोकथाम के लिए राज्य भर में कार्रवाई लगातार जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दवाओं का दुरुपयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। औषधि विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई कर नशीली दवाओं के अवैध व्यापार पर सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। हाल ही में की गई कार्रवाइयों में कई स्थानों से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित औषधियां जब्त की गईं और आरोपियों को हिरासत में भी लिया गया।

हाल ही में पंडरिया जिला कबीरधाम में प्रतिबंधित औषधि की अवैध बिक्री की सूचना पर छापा मारकर इसकी 200 स्ट्रिप जब्त की गई। वहीं रायपुर में कोडीन फॉस्फेट युक्त औषधियों की अवैध बिक्री पर कार्रवाई करते हुए दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया और इनसे 120 नग औषधियां बरामद की गयी। दोनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

गरियाबंद जिले के कोपरा में चन्दन मेडिकल स्टोर पर छापा मारकर प्रतिबंधित नशीली दवाओं के क्रय विक्रय रिकॉर्ड में अनियमितता पायी गयी। इसके पश्चात दुकान संचालक के विरूद्ध औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 व नियमावली 1945 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है। महासमुंद में नगर पालिका कार्यालय में मेडिकल संचालकों की बैठक आयोजित की गई। इसमें नशामुक्त महासमुंद अभियान पर चर्चा हुई और सभी दवा विक्रेताओं ने समाज को नशे की बुराई से बचाने के लिए सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में ये चर्चा की गयी कि नशे के आदि लोग अक्सर दवाइयों का गलत उपयोग करते हैं, जिससे अपराधों में वृद्धि होती है। सभी से अपील है कि नशीली दवाओं की अवैध बिक्री में किसी भी प्रकार से सहयोग न करें।

औषधि विभाग द्वारा जागरूकता गतिविधियां भी लगातार संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में बेमेतरा जिला मुख्यालय स्थित टाउन हॉल में महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए आमजन को नशा पान से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त जिला कोंडागांव, जांजगीर-चाम्पा, बिलासपुर, एवं राजनांदगांव मे भी औषधि निरीक्षकों द्वारा समाज में नशीली दवायों के दुष्प्रभावों के सम्बन्ध में जागरूकता लाने के उद्देश्य से शासकीय विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजन किये गए व युवाओं को नशे की लत से दूर रहने के लिए शपथ दिलाई गयी।

एम्स रायपुर के सेंट्रल फार्मेसी स्टोर का राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारियों एवं केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के प्रतिनिधियों द्वारा, सीडीएससीओ मुंबई से प्राप्त निर्देशों के अनुसार संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड, पुणे की कुछ दवाइयों का विधिक सैंपल लिया गया। ये नमूने निर्धारित विधिक प्रक्रियाओं के अनुसार एकत्र किए गए हैं तथा परीक्षण एवं विश्लेषण हेतु अग्रेषित किए जाएंगे, ताकि दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं प्रभावकारिता सुनिश्चित की जा सके।

Name Change

It is informed to the General Public that I, DULESH W/o SALIK RAM PATEL, Resident of Nutan Chowk, Behind Pani Tanki, Ward-7, Bhilai-3, Distt-Durg (C.G.) 490021 have changed my old name DULESH BAI PATEL W/o SALIK RAM PATEL so that I should be recognized by my new name that is DULESH BAI PATEL in all Government and other documents.

DULESH
Nutan Chowk,
Behind Pani Tanki,
Ward-7, Bhilai-3,
Distt-Durg (C.G.)
490021

न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी भिलाई-03, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// ईश्तहार //

दाण्डिक प्रकरण क्रमांक / 202508104300151/विविध/ वर्ष 2025
थाना नंदनीनगर तहसील अहिवारा जिला-दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है पुलिस अधीक्षक जिला दुर्ग के द्वारा जिले के समस्त थाना चौकी में जप्त लावारिश/लादावा वाहनों के निराकरण नीलामी की कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त होने पर थाना प्रभारी थाना नंदनीनगर जिला दुर्ग द्वारा थाना नंदनीनगर क्षेत्रांतर्गत जप्त लावारिश 43 वाहनों की जानकारी परिवहन विभाग से वाहन स्वामियों की जानकारी प्राप्त कर उन्हे पंजीयन पत्र/आर.सी. कार्ड के साथ वाहन को सुपुर्दनामा में प्राप्त करने हेतु नोटिस जारी किया गया था। किन्तु नोटिस के तामिल/अदम तामिल होने एवं उनके द्वारा वाहन को सुपुर्दनामा में वापस प्राप्त करने हेतु थाना ने उपस्थित नहीं होने के कारण उक्त लावारिश/लादावा वाहनों के निराकरण हेतु धारा-28 पुलिस एक्ट के तहत कायमी सान्हा रोजनामचा सान्हा लादावा वाहनों की सूची जसीप्रत्रक एवं कथन सहित इस्तगासा कमांक 01 तैयार कर प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है तथा दिनाक 18/09/2025 को सुनवाई हेतु नियत है।

अत: वाहनों के नीलामी की कार्यवाही हेतु नीचे दर्शित क्यूआर कोड को स्कैन कर देखा जा सकता है तथा क्यूआर कोड में दर्शित वाहनों के वाहन मालिकों को समाचार पत्र के माध्यम से संसूचित किया जाता है कि वे क्यूआर कोड में दर्शित वाहनों को सुपुर्दनामा में प्राप्ति हेतु दावा/आपत्ति रखते हो तो वाहन रजिस्ट्रेशन पत्रक एवं पहचान पत्र के साथ आगामी पेशी तिथि 18/09/2025 तक कार्यालयीन समय में स्वत: अथवा अपने अभिभाषक/अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से लिखित में दावा आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 18/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय दण्डाधिकारी
भिलाई - 03, जिला दुर्ग

जी-252603125/4

मुख्यमंत्री साय ने बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा की

स्थिति सामान्य होने तक अधिकारियों को मुस्तैद रहकर जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दंतेवाड़ा जिले के प्रवास के दौरान जिला कार्यालय के डंकनी सभाकक्ष में बाढ़, आपदा एवं राहत कार्यों की समीक्षा की। इस बैठक में दंतेवाड़ा के अलावा बस्तर संभाग के सुकमा, बीजापुर और बस्तर जिलों के कलेक्टर एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा, वन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद महेश कश्यप, क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने विगत 26 एवं 27 अगस्त को हुई अतिवृष्टि से हुई हानि तथा प्रशासन द्वारा चलाए गए राहत कार्यों की जानकारी बैठक के माध्यम से ली। उन्होंने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रशासनिक अमलों द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई, जो सराहनीय है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों से हुई चर्चा से यह स्पष्ट हुआ कि प्रशासनिक तत्परता एवं त्वरित कार्रवाई से वे संतुष्ट हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बीते माह आई इस प्राकृतिक आपदा और विभीषिका से जो जन-धन एवं अधोसंरचना की क्षति हुई है, वह अपूरणीय है। यह संतोष की बात है कि जिला प्रशासन द्वारा फौरी तौर पर बचाव एवं राहत कार्य के लिए कदम उठाए गए। साथ ही शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक दिन का वेतन दान स्वरूप दिया, जो अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आई बाढ़ आपदा से चारों जिलों में 115 करोड़ रुपये की विभिन्न अधोसंरचनाओं को क्षति हुई है। इनकी मरम्मत के लिए राज्य शासन द्वारा हर संभव सहयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने गैर-शासकीय एवं स्वैच्छिक संगठनों के कार्यों की भी सराहना की।

मुख्यमंत्री ने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि चारों जिलों में स्थिति सामान्य होने तक राहत एवं स्वास्थ्य शिविर आवश्यकतानुसार जारी रखें। उन्होंने कहा कि प्रशासन निरंतर प्रभावितों के संपर्क में रहे और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सतत जारी रखे। इसके लिए लगातार कैंप लगाकर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की जाए तथा उन्हें समसामयिक सलाह देते हुए आवश्यक दवाएं और स्वास्थ्य सेवाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों को राहत राशि अविलंब जारी करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह ने निर्देशित किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित न होने पाए। इसके लिए कार्यपालन अभियंता तत्काल प्रस्ताव केंद्रीय कार्यालय को प्रेषित करें। साथ ही केशकाल में राष्ट्रीय राजमार्ग के सुधार कार्य हेतु तात्कालिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इस दौरान सचिव आपदा प्रबंधन श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने पशु-हानि पर दी जाने वाली मुआवजे की राशि के लिए नए निर्देशों के अनुसार आवंटन देने हेतु कलेक्टरों को निर्देशित किया। स्वास्थ्य विभाग की संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार डोर-टू-डोर सर्वे कराया जाए। साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि इन क्षेत्रों में मलेरिया, टाइफाइड एवं जलजनित रोग पनपने न पाएं। उन्होंने पेयजल के सभी स्रोतों में क्लोरीनेशन कराने और उसका परीक्षण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इससे पहले दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर और बस्तर जिलों के कलेक्टरों ने निर्धारित एजेंडा अनुसार बाढ़ से हुई क्षति और जिला प्रशासन द्वारा चलाए गए राहत कार्यों की क्रमवार जानकारी दी। बैठक में अतिवृष्टि से प्रभावित ग्रामों, क्षतिग्रस्त पुल-पुलियों, सड़कों, बाधित विद्युत आपूर्ति एवं मोबाइल नेटवर्क की स्थिति प्रस्तुत की गई। साथ ही जन-धन हानि, बाढ़ में बह गए घरों एवं मवेशियों के बारे में संख्यात्मक एवं तथ्यात्मक आंकड़े पीपीटी के माध्यम से साझा किए गए।

इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा चलाए गए राहत एवं बचाव कार्य, प्रभावितों का रेस्क्यू कर उन्हें राहत कैंपों में ठहराना, तात्कालिक उपचार उपलब्ध कराना और खाद्य सामग्री वितरित करने की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि सर्वाधिक क्षति नदी-नालों के किनारे स्थित ग्रामों के निवासियों को हुई है, परंतु समय पर प्रशासनिक राहत उपलब्ध कराई गई। बैठक में बस्तर संभाग के संभागायुक्त डोमन सिंह, आईजी बस्तर सुंदरराज पी, दंतेवाड़ा कलेक्टर कुणाल दुदावत, सुकमा कलेक्टर देवेश ध्रुव, बीजापुर कलेक्टर संबित मिश्रा, जिला पंचायत बस्तर के सीईओ प्रतीक जैन सहित एसपी एवं जिला स्तर के अधिकारीगण मौजूद थे।

प्रशासन की तत्परता: बाढ़ प्रभावितों को मिला राशन

बर्तन, कपड़े, गैस सिलेंडर और चूल्हा भी उपलब्धः मकान ढहने पर सहायता राशि भी प्रदान की गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दंतेवाड़ा में हाल ही में आई बाढ़ से निपटने और प्रभावितों को आवश्यक मदद पहुँचाने में प्रशासन तत्पर रहा। अपने विदेश दौरे के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दक्षिण कोरिया से वीडियो कांफ्रेंसिंग कर बाढ़ प्रभावित जिलों के कलेक्टरों को आवश्यक निर्देश भी दिए थे।

मुख्यमंत्री के दंतेवाड़ा के चूड़ी टिकरापारा पहुँचने पर बाढ़ प्रभावित परिवारों ने प्रशासन द्वारा समय पर बचाव एवं राहत पहुँचाने के लिए आभार व्यक्त किया। मौजूद लोगों ने कहा कि सरकार की इस संवेदनशील पहल से सभी प्रभावित परिवार सुरक्षित और सकुशल हैं। राहत शिविर में रहने, भोजन और इलाज जैसी सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

बाढ़ पीड़ित गुप्तेश्वरी कश्यप, शालिनी शर्मा, सविता पात्रे एवं लता सागर ने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया कि राहत शिविर में किसी भी तरह की दिक्कत नहीं है और अब राशन, बर्तन, कपड़े, गैस सिलेंडर एवं चूल्हा भी दिया गया है। मकान ढहने पर सहायता राशि भी मिल चुकी है और अब घर बनने तक वे यहाँ राहत शिविर में रहेंगे। प्रभावितों ने बताया कि बाढ़ आने के साथ ही प्रशासन की अपील पर सभी लोग सुरक्षित ऊँचे स्थान पर चले गए थे। फिर बाढ़ का पानी उतरने के बाद उन्हें चूड़ी टिकरापारा के छात्रावास भवन में राहत शिविर में ठहराया गया।

इसी तरह रीता कश्यप, द्रोपदी नाग, कुंदन गुप्ता, महेश नाग, बबीता नाग सहित अन्य प्रभावितों ने भी प्रशासन के राहत एवं पुनर्वास प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री साय को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री के समक्ष भावुक हुईं सोमड़ी सोढ़ीः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बाढ़ प्रभावितों से मिलने के दौरान चूड़ी टिकरापारा निवासी सोमड़ी सोढ़ी के घर पहुँचे तो श्रीमती सोमड़ी सोढ़ी भावुक हो गईं। उन्होंने बताया कि बाढ़ से पूरा घर डूब गया था। बाढ़ आने के एक दिन पहले वह अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती हुई थीं और उनकी दोनों बेटियाँ भी साथ में थीं, इस कारण उनकी जान बच गई। अस्पताल से ठीक होकर शुक्रवार को वह घर लौटीं।

सोमड़ी ने बताया कि बाढ़ के पानी में घर का पूरा सामान खराब हो गया है। इस बीच प्रशासन ने राशन, बर्तन, कपड़े, गैस सिलेंडर एवं चूल्हा उपलब्ध कराया है। साथ ही राहत शिविर में नाश्ता, भोजन और इलाज की सुविधा भी दी जा रही है। इस आपदा की घड़ी में सरकार की सहायता के लिए सोमड़ी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार प्रकट किया।

इसी तरह दंतेवाड़ा के चूड़ी टिकरापारा के बाढ़ प्रभावित सुरेश बघेल ने बताया कि बाढ़ आने के दिन पूरा परिवार घर में ही था। प्रशासन की सूचना पर वे सभी सुरक्षित स्थान पर चले गए और एक दिन बाद राहत शिविर पहुँचे। पिछले शुक्रवार को वे शिविर से घर लौटे हैं। सुरेश ने बताया कि प्रशासन द्वारा राशन, बर्तन, गैस सिलेंडर एवं चूल्हा, कंबल-चादर और कपड़े जैसे सभी जरूरी सामान उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है।

बाढ़ में बही पुस्तकें, टेबलेट भी हुआ खराब, पर नहीं रुकेगी पूनम की प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी

मुख्यमंत्री की पहल पर पूनम को मिली पुस्तकें और नया टेबलेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर बाढ़ से प्रभावित दंतेवाड़ा की पूनम पटेल की प्रशासनिक अधिकारी बनने की तैयारी आगे भी निर्बाध जारी रहेगी। पूनम पटेल, दंतेवाड़ा जैसे नक्सल प्रभावित इलाके में रहकर पिछले तीन वर्षों से यूपीएससी की तैयारी कर रही हैं। हाल ही में दंतेवाड़ा में आई बाढ़ से प्रभावित होने के कारण पूनम का पूरा परिवार राहत शिविर में है। आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पूनम से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। मुख्यमंत्री की पहल पर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु पूनम को आवश्यक पुस्तकें और एक नया टेबलेट उपलब्ध कराया गया है। अब पूनम की यूपीएससी तैयारी में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

दंतेवाड़ा जिले के चूड़ीटिकरा पारा वार्ड की रहने वाली पूनम पटेल पिछले तीन वर्षों से यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। हाल ही में आई बाढ़ में उनका घर क्षतिग्रस्त हो गया और घर का सारा सामान बह गया। पूनम ने बताया कि बाढ़ के पानी में उनकी सभी पुस्तकें बह गईं और टेबलेट भी खराब हो गया। पूनम ने कहा कि उनके पिता संतोष पटेल किराना दुकान चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं और उन्हीं की आमदनी से बड़ी मुश्किल से एक-एक पैसा जोड़कर यूपीएससी की पढ़ाई के लिए टेबलेट खरीदा था। बाढ़ के पानी में पुस्तकें और टेबलेट खराब हो जाने से पूनम आगे की तैयारी को लेकर बेहद चिंतित थीं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा पूनम को नया टेबलेट और प्रतियोगी परीक्षाओं की आवश्यक पुस्तकें उपलब्ध कराई गईं। इस सहायता से पूनम को बड़ी राहत मिली है। अब पूनम के प्रशासनिक अधिकारी बनने की राह में बाढ़ भी बाधा नहीं डाल पाएगी।

महिलाओं और बच्चों को मिले आंगनबाड़ी की सभी सेवाओं का लाभ : शम्मी आबिदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव शम्मी आबिदी ने इंद्रावती भवन, रायपुर में विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा बैठक ली। बैठक में रायपुर जिले की आंगनबाड़ी सेवाओं, विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति, टेक होम राशन वितरण की स्थिति तथा पोषण अभियान की गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की।

सचिव श्रीमती आबिदी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि रायपुर के जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा क्षेत्रीय स्तर के अधिकारी नियमित रूप से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करें और वास्तविक स्थिति का आंकलन कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि निरीक्षण केवल औपचारिकता न होकर, सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और हितग्राहियों तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचाने का माध्यम होना चाहिए।

बैठक में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना और महतारी वंदन योजना पर भी विशेष बल दिया गया। सचिव ने निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। महतारी वंदन योजना में हितग्राहियों के घर-घर जाकर सर्वे करें। जिन मामलों में लाभार्थी पते पर उपलब्ध नहीं हैं, दस्तावेज अधूरे हैं या हितग्राही की मृत्यु हो चुकी है, उनकी जानकारी तत्काल सत्यापित कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाइजर, सीडीपीओ और डीपीओ पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती आबिदी ने टेक होम राशन के वितरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों गर्भवती एवं धात्री माताओं और कुपोषित बच्चों को समय पर, गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित मात्रा में टेक होम राशन उपलब्ध कराना आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। राशन वितरण और एंट्री में किसी भी प्रकार की अनियमितता की शिकायत मिलने पर संबंधित पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बालिकाओं, शिशुवती महिलाओं और गर्भवती माताओं में एनीमिया की समस्या को रोकने के लिए पोषणयुक्त आहार पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी और सामुदायिक स्तर पर जागरूक करने एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से हरी सब्जियों, सहजन (मोरिंगा), गुड़, तिल, चना और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य वस्तुओं के सेवन के लिए प्रोत्साहित करें। सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने पोषण ट्रैकर ऐप का सही उपयोग करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नियमित गृहभेट करें और समय पर ऑनलाइन एंट्री करें। उन्होंने बताया कि 01 सितंबर से राष्ट्रीय पोषण अभियान की शुरुआत हो चुकी है।

किसानों के लिए मुख्यमंत्री साय की बड़ी पहलः इस माह मिलेगा 60 हजार टन अतिरिक्त यूरिया

चालू खरीफ सीजन में अब तक 6.39 लाख टन यूरिया वितरित, गत वर्ष इसी अवधि में हुआ था 6.17 लाख टन का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर किसानों के हित में एक बड़ी राहत मिल रही है। भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ के लिए 60 हजार टन अतिरिक्त यूरिया का आबंटन स्वीकृत किया है। इसमें सितम्बर माह के प्रथम सप्ताह में 20 हजार टन, द्वितीय सप्ताह में 35 हजार टन और शेष 5 हजार टन की आपूर्ति माह के अंत तक सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्रीसाय ने कहा कि किसानों की हर आवश्यकता पर राज्य सरकार संवेदनशील है और यह अतिरिक्त आबंटन उनकी खरीफ फसलों को सुरक्षित रखने में सहायक होगा।

मार्कफेड अधिकारियों ने बताया कि चालू खरीफ सीजन के लिए 28 अगस्त की स्थिति में सहकारी क्षेत्र में 3 लाख 91 हजार 79 मीट्रिक टन और निजी क्षेत्र में 3 लाख 11 हजार 563 मीट्रिक टन, इस तरह कुल 7 लाख 2 हजार 642 मीट्रिक टन यूरिया का भंडारण किया गया है। इसके विरुद्ध 6 लाख 38 हजार 599 मीट्रिक टन यूरिया किसानों को वितरित किया जा चुका है। इसमें 3 लाख 42 हजार 444 मीट्रिक टन सहकारी क्षेत्र और 2 लाख 96 हजार 155 मीट्रिक टन निजी क्षेत्र से वितरण शामिल है। यह आँकड़ा पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुए 6 लाख 17 हजार 798 मीट्रिक टन वितरण से अधिक है, जो इस बार की बेहतर आपूर्ति व्यवस्था का प्रमाण है।

प्रदेश में किसानों के लिए नैनो खाद की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है। सहकारी क्षेत्र में 1 लाख 78 हजार 919 और निजी क्षेत्र में 1 लाख 12 हजार 140, इस तरह कुल 2 लाख 91 हजार 59 बॉटल नैनो यूरिया का भंडारण हुआ है। इसी प्रकार सहकारी क्षेत्र में 1 लाख 58 हजार 809 और निजी क्षेत्र में 79 हजार 810, कुल 2 लाख 38 हजार 619 बॉटल नैनो डीएपी संग्रहित किया गया है। अब तक किसानों को 2 लाख 32 हजार 652 बॉटल नैनो यूरिया और 1 लाख 85 हजार 136 बॉटल नैनो डीएपी वितरित किया जा चुका है।

प्रदेश में चालू खरीफसीजन के लिए भारत सरकार ने 14.62 लाख टन रासायनिक खाद का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके विरुद्ध सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में 15.64 लाख टन का भंडारण कर लिया गया है। भंडारण के आधार पर किसानों को अब तक 13.19 लाख टन खाद वितरित किया गया है। यह व्यवस्था बताती है कि समितियों और निजी क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं और किसानों को किसी तरह की कठिनाई नहीं होगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि खरीफसीजन में किसानों को खाद की आपूर्ति उनकी समयबद्ध जरूरतों के अनुरूप प्राथमिकता से की जा रही है। अब तक निर्धारित लक्ष्य का 98 प्रतिशत यूरिया किसानों तक पहुँच चुका है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि किसानों को मौसम और फसल की आवश्यकताओं के अनुरूप पर्याप्त खाद की आपूर्ति लगातार जारी रहेगी और उनकी उपज सुरक्षित रहेगी। इस संबंध में गत दिनों कृषि मंत्री रामविचार नेताम और राज्य के सांसदों ने भी केंद्रीय उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा से भेंट कर छत्तीसगढ़ के किसानों की मांग रखी थी। मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार से लगातार संपर्क किया गया और किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त 60 हजार टन यूरिया का आबंटन स्वीकृत किया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में सहकारी सोसायटियों और निजी विक्रेताओं के माध्यम से खाद का वितरण सुव्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है।

किसान समितियों में आसानी से खाद उपलब्ध करा पा रहे हैं और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इससे खेती-किसानी प्रभावित होने के बजाय और मजबूती पा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसानों ने सरकार और प्रशासन की इस पहल पर संतोष व्यक्त किया है। उनका कहना है कि समय पर यूरिया और अन्य खाद उपलब्ध होने से बुवाई और फसल प्रबंधन का काम सुचारू रूप से हो रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि खाद, बीज और सिंचाई जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य के समन्वित प्रयासों से खरीफ सीजन में किसानों को समुचित राहत मिलेगी और छत्तीसगढ़ कृषि उत्पादन में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950